Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 284 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, शनिवार 03 मई 2025 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

अहिंसा और सत्य ये दोनों हमारे जीवन विकास के पहलू हैं।

nonviolence and truth both these are aspects of development in our life.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

मुख्यमंत्री साय आज पंजीयन (रजिस्ट्री) विभाग की 10 नवीन सुविधाओं का करेंगे शुभारंभ

मेसर्स रैक बैंक के एआई डाटा सेंटर का होगा शिलान्यास

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय 3 मई को नवा रायपुर में आयोजित कार्यक्रम में पंजीयन (रजिस्ट्री) विभाग की नवाचार आधारित 10 नवीन सुविधाओं का शुभारंभ और मेसर्स रैक बैंक द्वारा प्रस्तावित अत्याधुनिक एआई डाटा सेंटर का शिलान्यास भी करेंगे। यह कार्यक्रम राज्य के डिजिटल बुनियादी ढ़ांचे को सुदृढ़ बनाने और आम नागरिकों को पारदर्शी, सरल तथा तकनीकी सुलभ सेवाएं प्रदान करने की दिशा में बेहद महत्वपूर्ण कदम होगा।

पंजीयन विभाग द्वारा आम नागरिकों की सुविधा, पारदर्शिता और दस्तावेजों की सुरक्षा के उद्देश्य से पंजीयन प्रणाली को पूरी तरह डिजिटल और सरल बनाया गया है। इन सुविधाओं में आधार आधारित प्रमाणीकरण, ऑनलाइन सर्च एवं डाउनलोड, कैशलेस भुगतान, डिजीलॉकर, व्हाट्सएप नोटिफिकेशन, घर बैठे रजिस्ट्री, डिजीडॉक्यूमेंट, स्वत: नामांतरण जैसी तकनीकी सेवाएं शामिल हैं। इन सुविधाओं से रजिस्ट्री प्रक्रिया, पेपरलेस सुरक्षित और नागरिकों के लिए सहज हो सकेगी। अब आम नागरिक रजिस्ट्री से जुड़ी सेवाएं घर बैठे प्राप्त कर सकेंगे, जिससे समय, श्रम और धन की बचत होगी। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री साय द्वारा जिस एआई डाटा सेंटर का शिलान्यास किया जाएगा, वह नवा रायपुर के सेक्टर 22 में विशेष आर्थिक क्षेत्र के रूप में स्थापित किया जा रहा है। प्रथम चरण में 5 मेगावॉट क्षमता का यह केंद्र पर्यावरण संरक्षण मानकों का पालन करते हुए सौर ऊर्जा आधारित होगा तथा भविष्य में इसकी क्षमता 150 मेगावॉट तक विस्तार की जा सकेगी। लगभग 1000 करोड़ के निवेश वाली इस परियोजना से 500 से अधिक लोगों के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। यह इकाई राज्य की औद्योगिक नीति वर्ष 2024-30 के तहत एंकर यूनिट के रूप में विकसित होगी। इसके साथ ही राज्य में आईटी, आईटीईएस, इलेक्ट्रॉनिक्स और डेटा सेवाओं से जुड़े एक नए इको-सिस्टम के विकास की नींव रखी जाएगी।

विझिनजाम बंदरगाह का प्रधानमंत्री मोदी ने किया उद्घाटन

मंच पर दिखे थरूर, प्रधानमंत्री बोले- इस कार्यक्रम से कई लोगों की उड़ेगी नींद

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केरल के तिरुवनंतपुरम में 8, 900 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 'विझिनजाम इंटरनेशनल डीपवाटर मल्टीपर्पज सीपोर्ट' राष्ट्र को समर्पित किया। इस अवसर पर केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन और कांग्रेस सांसद शशि थरूर भी मौजूद रहे। केरल सरकार की इस महत्वाकांक्षी परियोजना को अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) द्वारा सार्वजनिक-निजी भागीदारी के तहत विकसित किया गया है।

विझिनजाम बंदरगाह का उद्घाटन करने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, एक तरफ विशाल समुद्र है, जिसमें अनेक अवसर हैं और दूसरी तरफ प्रकृति की सुंदरता है, इन दोनों के बीच यह 'विझिंजम अंतर्राष्ट्रीय गहरे पानी वाला बहुउद्देशीय बंदरगाह' है, जो नए युग के विकास का प्रतीक है। इस बंदरगाह का निर्माण 8, 800 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है और निकट भविष्य में इसके ट्रांसशिपमेंट हब की क्षमता तीन गुनी हो जाएगी। इसे बड़े मालवाहक जहाजों को समायोजित करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो एक महत्वपूर्ण आवश्यकता को पूरा करता है। अब तक, भारत की 75 प्रतिशत ट्रांसशिपमेंट गतिविधियां विदेशी बंदरगाहों पर संचालित की जाती थीं, जिसके परिणामस्वरूप देश को राजस्व का बड़ा नुकसान होता था। हालांकि, यह बदलने वाला है। पहले विदेशों में खर्च किए जाने वाले धन को अब घरेलू विकास में लगाया जाएगा, जिससे विझिनजाम और केरल के लोगों के लिए नए आर्थिक अवसर पैदा होंगे, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि देश की संपत्ति सीधे अपने नागरिकों को लाभान्वित करे।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि गुलामी से पहले हमारे भारत ने हजारों वर्ष की समृद्धि देखी है। एक समय वैश्विक जीडीपी में मेजर शेयर भारत का हुआ करता था। उसमें केरल का बड़ा योगदान था। उस समय भारत को अन्य देशों से अलग करने वाली बात थी, इसकी प्रभावशाली समुद्री क्षमताएं और इसके बंदरगाह शहरों में संपन्न आर्थिक गतिविधियां। केरल ने इस सफलता में विशेष भूमिका निभाई। भारत सरकार ने, राज्य सरकार के सहयोग से सागरमाला परियोजना के तहत पोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर को अपग्रेड किया है।

टेक्सास में 'खसरे' ने मचाया कहर, एक साथ 700 से अधिक लोग बीमार

प्रशासन की चिंता बढ़ी

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। अमेरिका ने 25 साल पहले खसरे को खत्म करने की घोषणा की थी, लेकिन पश्चिमी टेक्सास में इस बीमारी के बढ़ते प्रकोप ने एक बार फिर से चिंताएं बढ़ा दी हैं। मीडिया ने बताया कि पश्चिमी टेक्सास में खसरे के रोगियों की संख्या बढ़ गई है। रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी के अंत में शुरू हुए खसरे से टेक्सास में 700 से अधिक लोग बीमार हो गए, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इतना ही नहीं, यह अन्य राज्यों में भी फैल गया है। खसरे ने अमेरिका में एक दशक से अधिक समय में पहली बार जान ली है। कुछ सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों और महामारी वैज्ञानिकों का कहना है कि यह प्रकोप एक साल से अधिक समय तक चल सकता है, जिससे अमेरिका का खसरा-मुक्त दर्जा खतरे में पड़ सकता है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका ने साल 2000 में व्यापक टीकाकरण अभियानों के बाद यह उपलब्धि हासिल की थी, जिसमें अधिकांश बच्चों को खसरा, कण्ठमाला और रूबेला या एमएमआर वैक्सीन दी गई थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, खसरा तब खत्म माना जाता है जब किसी देश में कम से कम 12 महीने तक मजबूत निगरानी प्रणाली के तहत स्थानीय स्तर पर इसका प्रसार न हो।

नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया-राहुल गांधी को कोर्ट का नोटिस

नई दिल्ली (आरएनएस)। नेशनल हेराल्ड से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली की एक अदालत ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को नोटिस जारी किया है। अदालत का यह कदम प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा मामले में दायर किए गए आरोपपत्र (चार्जशीट) के बाद आया है, जिसमें दोनों प्रमुख कांग्रेस नेताओं को आरोपी बनाया गया है। ईडी ने यह आरोपपत्र दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में दाखिल किया है। जांच एजेंसी ने आरोपपत्र में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के अलावा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सैम पित्रोदा और सुमन दुबे सहित कई अन्य नेताओं को भी इस मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी बनाया है।

युवा शक्ति से होगा 'विकसित भारत' का निर्माण : मुख्यमंत्री साय

छत्तीसगढ़ सरकार ने युवाओं के कौशल विकास को लेकर किए 4 महत्वपूर्ण एमओयू, खुलेंगे रोज़गार के नए द्वार

मुख्यमंत्री ने कौशल, रोजगार और आजीविका पर नीति-आयोग की कार्यशाला का किया शुभारंभ

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज राजधानी रायपुर में नीति-राज्य कार्यशाला श्रृंखला के राज्य समर्थन मिशन के तहत छत्तीसगढ़ में युवाओं, महिलाओं और जनजातीय समुदायों के लिए कौशल विकास, रोजगार और आजीविका के अवसरों को विस्तार देने विषय पर आधारित कार्यशाला का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह कार्यशाला बदलते समय की जरूरतों के अनुरूप बेहद प्रासंगिक है। भारत एक युवा देश है और यदि युवाओं को उनकी रुचि और क्षमता के अनुसार कौशल प्रशिक्षण मिले, तो हम 'विकसित भारत' के लक्ष्य को तेजी से हासिल कर सकते हैं। इस मौके पर राज्य के कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आज चार महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर किए गए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने आगे कहा कि 2047 तक छत्तीसगढ़ को विकसित राज्य बनाने के लिए युवाओं, महिलाओं और जनजातीय वर्ग को केंद्र में रखकर योजनाएं बनाई जा रही हैं। उन्होंने नीति आयोग की आकांक्षी जिलों की पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे जनजातीय क्षेत्रों में बदलाव देखने को मिला है। उन्होंने कहा कि राज्य समर्थन मिशन के बेहतर क्रियान्वयन से प्रदेश के युवाओं, महिलाओं और जनजातिय समुदाय के आजीविका के लिए प्रशिक्षण से रोजगार के नये अवसर शुलभ होंगे। उन्होंने कहा कि युवाओं को कौशल से जोड़कर उन्हें रोजगार के योग्य बनाया जा सकता है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बताया कि सरकार वर्ष 2013 से कौशल विकास को तीव्रता से आगे बढ़ा रही है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार लाइवलीहुड कॉलेज, आईटीआई और महिला स्व-सहायता समूहों को सशक्त बनाने पर काम कर रही है।

बंगाल सरकार के बनाए नए मंदिर के नाम पर विवाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के दीघा में बने जगन्नाथ मंदिर के नाम को लेकर ओडिशा में विरोध शुरू हो गया है। पुरी जगन्नाथ मंदिर के पंडितों, सेवकों, विद्वानों, कलाकारों और शोधकर्ता मंदिर का नाम जगन्नाथ धाम रखने पर आपत्ति जता रहे हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 30 अप्रैल को पूर्वी मेदिनीपुर जिले के दीघा में बने जगन्नाथ मंदिर का उद्घाटन किया था। पूजा-अर्चना के बाद उन्होंने मंदिर को जगन्नाथ धामनाम दिया। ओडिशा के लोगों ने मंदिर बनाने का समर्थन किया, लेकिन नाम पर एतराज जताया। उनका कहना है कि जगन्नाथ धाम सिर्फ पुरी में है, अन्य मंदिर को यह नाम देना हिन्दू मान्यताओं-परंपराओं के खिलाफ है।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/दुर्ग-भिलाई/बलौदाबाजार
रायपुर, शनिवार 03 मई 2025
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

भिलाई-चरौदा के दादर में चला निगम का बुलडोजर

भिलाई-3 (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम भिलाई-3 चरौदा क्षेत्र के वार्ड क्र. 05 दादर-पर्थरा वार्ड में निगम प्रशासन की ओर से आज कार्यवाही की गई, जिसमें अवैध प्लाटिंग को निगम के जेसीबी वाहन की मदद से जमीदोज किया गया। यहां ज्ञात हो कि निगम प्रशासन को मिली सूचना के आधार पर वार्ड क्र. 05 दादर में धरसा रोड के किनारे नवा तालाब के पीछे अवैध प्लाटिंग किये जाने संबंधी शिकायत प्राप्त हुई थी। इस पर निगम कमिश्नर श्री डी.एस. राजपूत के द्वारा अपनी टीम को मामले में फौरन कार्यवाही करने के निर्देश प्रदान किये गये, जिसके पश्चात् आज शुक्रवार दिनांक 02.05.2025 को उप अभियंता मुकेश रात्रे द्वारा अपने अमले के साथ मौके पर पहुच कर अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त किया गया। इस दौरान श्री मुकेश रात्रे उप अभियंता के साथ टाईम कीपर श्री श्यामता साहू सहित जेसीबी चालक भी मौजूद रहे।

1 मई की शाम को आए आंधी-पानी से पेड़ एवं डांलिया गिर गई थी, उसे व्यवस्थित किया गया

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। 1 मई की शाम को तेल गति से चले आंधी-पानी के कारण बहुत से क्षेत्रों में पेड़ एवं डांलिया टूटकर सड़को पर गिर गई थी। आंधी-पानी शांत होते ही लोगो के फोन आने लगे, नगर निगम की टीम मौके पर जाकर रास्तो को व्यवस्थित करवाए। महापौर नीरज पाल स्वयं जाकर एम जे कालेज के बगल में नाले के उपर लगे वर्टिकल गार्डन जो हवा से गिर गया था, उसे व्यवस्थित करवाए। निगम की टीम एवं यातायात विभाग द्वारा रास्ते को क्लीयर करवाया गया। आज सुबह आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय सभी क्षेत्रों में दौरे पर निकले, तेज आंधी में वर्टिकल गार्डन के साथ-साथ एक तरफ का रेलिंग भी गिर गया था। जिससे दुर्धटना होने की संभावना बन रही थी, वहां पर तत्कालीक रूप से बैरिकेट लगाया गया। आने जाने वाले लोगो से भी अपील की जाती है कि ध्यान पूर्वक वहां से आवागमन करें। जल्द ही समुचित व्यवस्था की जावेगी। नगर निगम भिलाई के सभी पांचो जोन में जोन आयुक्त सुबह से ही भ्रमण कर रहे थे। जहां-जहां से पेड़ गिरने की शिकायते मिल रही थी, वहां जाकर ठीक करवाया गया। इसमें यातायात विभाग, स्थानीय लोगो द्वारा भी सहयोग प्रदान किया गया है। लगभग सभी जगहो पर आवागमन व्यवस्थित कर दिया गया है। अगर कहीं पर अभी भी समस्या है तो जोन कार्यालय में संपर्क कर सकते है। नगर निगम की टीम व्यवस्थित कर देगी। आज सुबह 7:30 बजे से जोन आयुक्त अजय सिंह राजपूत, येशा लहरे, सतीश यादव, अमरनाथ दुबे, कुलदीप गुप्ता, जोन के स्वास्थ्य अधिकारी, सहायक राजस्व अधिकारी, सुपरवाईजर, राजस्व विभाग, उद्यान विभाग के सभी लोगो ने तत्परता से कार्य करते हुए आवागमन को व्यवस्थित किया।

इंदिरा मार्केट से अतिक्रमण हटाने पहुंची टीम का विरोध के बाद भी सख्ती से हटवाया कब्जा

दुर्ग (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम द्वारा आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर भवन अधिकारी गिरीश दिवान, राजेंद्र ढाबाले, बाजार अधिकारी शुभम गोइर एवं अतिक्रमण अधिकारी परमेश्वर कुमार के नेतृत्व में आज निगम अधिकारियो ने सुबह 10 बजे से लगातार पुराने बस स्टैंड के आसपास के अतिक्रमण को हटा डटे रहे।नगर निगम अतिक्रमण के खिलाफ अभियान छेड़ रखी है। इस क्रम में निगम का तोडू अमला शुक्रवार को इंदिरा मार्केट से अतिक्रमण हटाने दल बल के साथ पहुंचा। इस अभियान में अवैध कपड़ा दुकानों सहित अन्य दुकानों को भी हटाया गया है।कार्रवाही के मौके पर नगर पुलिस अधीक्षक चिराग जैन, दुर्ग थाना टीआई विजय यादव, मोहननगर टीआई शिव चंद्रा बाजार विभाग ईश्वर वर्मा, शशिकांत यादव सहित यातायात पुलिस एएसआई रमेश कुमार दुबे के अलावा सीएसएफ के जवान आदि मौजूद रहे।

नगर निगम के वित्तीय वर्ष 2025-26 के आय व्यय का बजट सर्वसम्मति से पारित

एक देश एक चुनाव का प्रस्ताव बहुमत के आधार पर पारित

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम की बजट बैठक आज 2 मई अपरान्ह 12:00 बजे नगर निगम टाउन हाल सभागृह में प्रारंभ हुई, बैठक में पुनरीक्षित आय-व्यय वर्ष 2024-25 एवं प्रस्तावित आय-व्यय बजट वित्तीय वर्ष 2025-26 के स्वीकृति के संबंध में विचार-विमर्श उपरांत निर्णय लिया जाना था।

बजट बैठक निर्धारित समय में राष्ट्रगीत तथा राज्य गीत के साथ प्रारंभ हुई। बैठक के प्रारंभ में महापौर श्री मधुसूदन यादव ने अपना पहला बजट प्रस्तुत करते हुए प्रतिवेदन का पठन किया, जिसके पश्चात पार्षदों ने चर्चा में भाग लिया, चर्चा उपरांत वित्तीय वर्ष 2025-26 के आय व्यय का बजट सर्व सम्मति से पारित किया गया।

बजट बैठक प्रारंभ होने के पूर्व भाजपा पार्षदों ने देश में एक देश एक चुनाव कराने सदन में प्रस्ताव लेने पार्षदों का हस्ताक्षरयुक्त पत्र निगम अध्यक्ष श्री टोपेन्द्र सिंह पारस वर्मा को प्रेषित कर चर्चा कराने आग्रह किया। जिसपर अध्यक्ष महोदय ने सदन में प्रस्ताव लेने सहमति ली। बजट के पश्चात उक्त प्रस्ताव को लेने सहमति दी गयी, बजट उपरांत एक देश एक राष्ट्र के तहत सभी चुनाव एक साथ कराने चर्चा कर बहुमत के आधार पर प्रस्ताव पारित कर शासन एवं निर्वाचन आयोग को भेजे जाने का निर्णय लिया गया। बैठक के अंत में राष्ट्रगान के पश्चात पहलगाम में हुए आतंकी हमला में मृतको को दो मिनट की मौन श्रृद्धांजली दी गयी।

खारुन गंगा महाआरती आंधी-तूफान और बारिश के बीच भी नहीं रुकी श्रद्धा, मोबाइल की रोशनी में हुआ दिव्य आयोजन

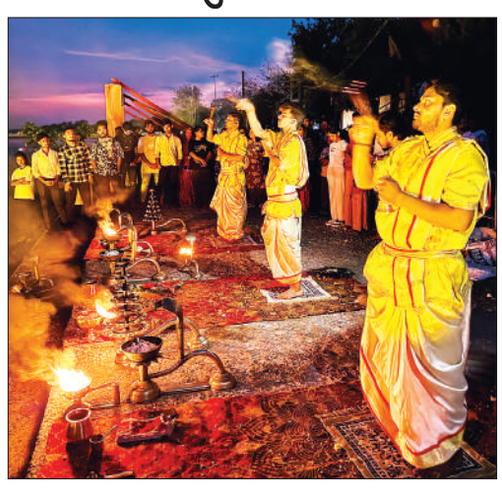

रायपुर (विश्व परिवार)। 01 मई की शाम को खारुन नदी के तट पर स्थित महादेव घाट में आयोजित खारुन गंगा महाआरती भयंकर आंधी-तूफान और तेज बारिश के बावजूद अत्यंत भक्ति भाव और श्रद्धा के साथ सम्पन्न हुई। बिजली गुल हो जाने के बाद भी भक्तों ने हार नहीं मानी। सभी श्रद्धालुओं ने अपने-अपने मोबाइल की टॉर्च जलाकर घाट को रोशन कर दिया और उसी उजाले में महाआरती का दिव्य आयोजन संपन्न हुआ।

यह दृश्य अत्यंत प्रेरणादायक और भावुक कर देने वाला था- जहाँ एक ओर प्रकृति ने अपनी शक्ति दिखाई, वहीं दूसरी ओर भक्तों की अटूट श्रद्धा और आस्था ने यह साबित कर दिया कि भक्ति किसी बाधा की मोहताज नहीं होती। महादेव घाट जन सेवा समिति ने इस आयोजन में भाग लेने वाले समस्त श्रद्धालुजनों, स्थानीय नागरिकों एवं पूरे छत्तीसगढ़वासियों का हृदय से आभार व्यक्त किया है। समिति का कहना है कि महादेव घाट श्रद्धा और आस्था का प्रतीक है, जो सदैव दीपों से जगमगाता रहेगा। कार्यक्रम के समापन पर भक्तों ने जय खारुन गंगा मैया, जय हाटकेश्वर महादेव और जय छत्तीसगढ़ महतारी के जयघोष से वातावरण को भक्तिमय कर दिया। छत्तीसगढ़ की आस्था और एकता की यह मिसाल आने वाले समय में भी प्रेरणा देती रहेगी।

प्रभारी ज्ञानेश्वर ताम्रकर ने ली समिति के सदस्यों के साथ कर्मशाला विभाग, विधुत विभाग की बैठक

दुर्ग (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम, महापौर श्रीमती अलका बाघमार के मार्गदर्शन में विधुत विभाग/यंत्रिकी विभाग प्रभारी ज्ञानेश्वर ताम्रकर ने ली समिति के सदस्य और अधिकारी के साथ एमआईसी कक्ष में ली बैठक में उन्होंने कहा कि शहर में मच्छरों से निजात पाने प्रत्येक वार्ड में फॉगिंग मशीन सप्ताह में दो बार हो इसके लिए मशीन और दवाई एवम अन्य जो भी आवश्यकता के लिए भी प्रस्ताव आया। निगम सीमाक्षेत्रांतर्गत शहर की सफाई व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए पूर्व में नए वाहनो का खरीदी किया गया है, जिसके उपरांत वाहनो के संचालन हेतु नए चालक व हेल्पर रखे जाने के संबंध में समिति में प्रस्ताव रखा गया, उन्होंने ये भी कहा कि कर्मशाला विभाग में वाहनो के रखरखाव के लिए टिन शेड निर्माण किये जाने एवम कर्मशाला विभाग के समस्त वाहनो के साफ सफाई के लिए वाशिंग लाईन (सर्विस सेंटर) निर्माण करने हेतु प्रस्ताव भी रखे। नगर पालिक निगम, दुर्ग में 03 नग रिफ्यूज कम्पैक्टर वाहन क्रय किया गया, जिसके लिए रैम्प बनाए जाने की व्यवस्था किया जाना है, जिसमें टाटा एस का कचरा सीधा कम्पेक्टर के अंदर जा सके.विधुत विभाग में 04 नग टाटा एस0 वाहनो की आवश्यकता है। सहायक अभियंता के लिए विभागीय कार्य हेतु 01 नग वाहन की आवश्यकता है।विधुत विभाग में नया लाईट क्रय करने हेतु।विद्युत विभाग संबंधित कार्य के लिए प्लेसमेंट या ठेके के कर्मचारी रखे जाने की प्रस्तावित किये है।बैठक के दौरान समिति के सदस्य जीतेन्द्र ताम्रकार, युवराज कुंजाम, श्रीमती रंजीता पाटिल, श्रीमती मनीषा सोनी, श्रीमती रेखा बजार, प्रकाश गीते, श्रीमती ममता ओमप्रकाश सेन, श्रीमती रेशमा सोनकर, जीतू महोबिया, श्रीमती प्रतिभा सुरेश गुप्ता सहित कार्यपालन अभियंता, आरके जैन, नोडल अधिकारी सुरेश केवलानी, सहायक नोडल अधिकारी अभ्युदय मिश्रा विद्युत विभाग, विद्युत यांत्रिकी, अग्निशमन एवं कर्मशाला विभाग के सचिव शोएब अहमद उपस्थित रहें।

सुशासन तिहार अंतर्गत पांच मई से 31 मई तक शहर के 6 स्थानों में आयोजित होंगे

आयुक्त ने निरीक्षण कर शिविर में बेहतर व्यवस्था के लिए दिए सख्त निर्देश

दुर्ग (विश्व परिवार)। राज्य शासन के निर्देश के पर शासकीय कामकाज में पारदर्शिता तथा योजानाओ के क्रियान्वयन को लेकर सुशासन तिहार 2025 के तृतीय चरण के लिए समाधान शिविर का आयोजन दिनांक 05 मई से 31 मई तक समय सुवह 10ः00 बजे से संध्या 5ः00 बजे तक किया जाएगा।आयुक्त सुमित अग्रवाल ने स्थानों में शिविर का सफल संचालन हेतु चिन्हित शहर क्षेत्र के 06 स्थानों आयोजन किया गया है। शिविर स्थानों में विशेष व्यवस्था के लिए अधिकारी / कर्मचारी की ड्यूटी लगाई गई है।आज आयुक्त सुमित अग्रवाल द्वारा जिम्मेदारी दिए गए अधिकारियों के साथ शिविर स्थलों में सभी व्यवस्था का निरीक्षण कर जायजा लिया।इस अवसर पर उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

शहर के 06 शिविर स्थल 60 वार्डो स्थलों का नाम- बता दें कि वार्ड क्र. 7 तिलक उमावि शिक्षक नगर वार्ड क्रमांक 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 30, 31 एवं 56 के लिए दिनांक 5 मई को सुशासन तिहार 2025 के तृतीय चरण के लिए समाधान शिविर का आयोजन किया जाएगा। वार्ड क्र. 23 स्वामी आत्मानंद उमावि दीपक नगर वार्ड क्रमांक 23, 24, 25, 26, 47, 48, 59 और 60 के लिए दिनांक 14 मई को किया जाएगा। वार्ड क्र. 52 उमाशाला बोरसी 49, 50, 51, 52, 53, 54 एवं 55 के लिए दिनांक 16 मई को होगा। वार्ड क्र. 39 जेआरडी उमाशाला, हिन्दी भवन के सामने वार्ड क्रमांक 32, 33, 34, 35, 36, 37 सहित 38, 39 के हितग्राहियों के लिए 21 मई की शिविर का आयोजन किया जाएगा। वार्ड क्र. 15 कुशाभाउ ठाकरे भवन में वार्ड क्रमांक 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22 सहित 57, 58 के लिए दिनांक 23 मई को शिविर का आयोजन किया जाएगा।

संवाद कार्यक्रम का चौथा चरण हुआ प्रारंभ

जिले की 05 जनपद पंचायतों से 10 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों की समस्याओं का हुआ निराकरण

नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण में महत्तवपूर्ण भूमिका अदा कर रहा संपर्क केन्द्र

बलौदाबाजार-भाटापारा (विश्व परिवार)। ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान के लिए जिला प्रशासन बलौदाबाजार-भाटापारा की विशेष पहल ''संवाद कार्यक्रम'' का चौथा चरण आज 2 मई से प्रारंभ हो गया। यह कार्यक्रम 16 जुलाई तक चलेगा। जिले की सभी पाँच जनपद पंचायतों की 10 ग्राम पंचायतों के नागरिकों ने अपनी समस्या विभागीय अधिकारियों के समक्ष रखी। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री मिथिलेश डोंडे ने ग्रामीणों को स्वामित्व योजना और किसान पंजीयन की जानकारी भी दी।इसके अलावा विभागीय अधिकारियों द्वारा राजस्व एवं सहकारिता विभाग से जुड़ी समस्याओं का समाधान किया गया।

कलेक्टर श्री दीपक सोनी के निर्देशानुसार प्रतिदिन जिले की प्रत्येक जनपद पंचायत की 02 इस प्रकार कुल 10 ग्राम पंचायतों के लोगों की समस्या का समाधान किया जाता है। संपर्क केन्द्र द्वारा जारी रोस्टर के अनुसार प्रत्येक ग्राम पंचायत में कोटवार के माध्यम से मुनादी करवाकर ग्रामीणों को पहले से सूचित कर दिया जाता है। इसके बाद संबंधित पंचायत में ग्रामीण अपनी मांगे, शिकायतें और समस्याएं लेकर ग्राम पंचायत भवन में एकत्रित हो जाते है जहां सरपंच, पंच, पंचायत सचिव सहित मैदानी अमला मौजूद रहता है और जिला मुख्यालय से विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी जुड़ते है।

उल्लेखनीय है कि कलेक्ट्रेट परिसर स्थित संपर्क केन्द्र के माध्यम से 21 अगस्त 2024 से संवाद कार्यक्रम की शुरूआत की गई जिसके तहत बलौदाबाजार-भाटापारा जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों मे रहने वाले नागरिकों की समस्याओं का समाधान किया जाता है। संवाद कार्यक्रम का उद्देश्य जिले के दूर-दराज क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों की समस्याओं का निराकरण वर्चुअल माध्यम से किया जाता है। इसके लिए ग्रामीणों को जिला कार्यालय आने की आवश्यकता नहीं हैं जिससे उनके समय और धन की बचत तो होती ही है साथ ही विभागीय अधिकारियों से सीधा संवाद हो जाता है।

कार्यालय सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर
(छ.ग.)फोन नं.-0771-2991574
Email Id: eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि **छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल** द्वारा कालोनी **बोरियाकला, जिला रायपुर,** में स्थित **दीनदयाल आवास योजनांतर्गत** निर्मित फ्लैट क्र. **एल.आई.जी -612, ब्लॉक-39 भूतल श्रीमती मीनाक्षी भाग्यवान पति श्री भाग्यवान डांगे निवासीः डायमंड अपार्टमेंट फ्लैट नं.-एम 02, केसरीनंदन नगर वार्ड, नंबर-06, मेजर गेट के पास, ताडोबा मार्ग, उर्जा नगर, चंद्रपुर (महाराष्ट्र)** के नाम पर इस कार्यालय के **आबंटन आदेश क्र. 9892 दिनांक 17.09.2009** के माध्यम से स्ववित्तीय आधार पर आंबटित है। आबंटी द्वारा फ्लैट का पूर्ण मूल्य जमा कर **दिनांक 06.04.2010** को लीजडीड निष्पादित कराने के उपरांत पत्र **क्रमांक 540 दिनांक 02.02.2012** को आधिपत्य आदेश जारी किया गया है। मूल आंबटी **श्रीमती मीनाक्षी भाग्यवान पति श्री भाग्यवान डांगे,** उक्त फ्लैट को विक्रय अनुमति हेतु आवेदन पत्र, विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति एवं आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त फ्लैट को क्रेता **श्रीमती संतोषी बाई डहरिया पति श्री भारत भूषण डहरिया निवासी:-वार्ड नं.-15, बाजार चौंक छछानपैरी रायपुर तह व जिला रायपुर (छ.ग.)** के पक्ष में विक्रय हेतु अनुमति प्रदान किया जाना है।

अतः किसी भी व्यक्ति, शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन/फ्लैट के विक्रय करने हेतु अनुमति प्रदान करने में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समयावधि पश्चात् आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर छ.ग.

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /20600/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2025
रायपुर, दिनांक 02-05-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20600
वार्ड का नाम- 20 - रामकृष्ण परमहंस वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 20 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802E00036** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **YOGESH SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MAHESH KUMAR SHARMA** के नाम से दर्ज, जिसको श्री/श्रीमती **RAHUL DIXIT** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ANANT NARAYAN DIXIT** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

श्री जसदेव सिंह बाबरा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन,
व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर
email Id- eocghbzone1@gmail.com

आम-सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा फेस - III कबीर नगर कालोनी, रायपुर में K.B.T. भवन योजना के अतंर्गत दुकानों/भूखण्डों/भवनों में से भूखण्ड/भवन क्रमांक K.B.T. - **258, श्री राजकुमार तम्हाने पिता श्री महादेव तम्हाने** को भाड़ाक्रय / पूर्णमूल्य आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा **दिनांक 30/12/2008** को विक्रय विलेख निष्पादित कर लिया गया।

आबंटी उक्त भवन के विक्रय हेतु **दिनांक 23/12/2024** को निष्पादित विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति प्रस्तुत कर भवन **श्री मोहित कुमार एडें पिता-श्री थानेश्वर एडें एवं श्रीमती कीर्ति एडें पति श्री मोहित कुमार एडें** के नाम से विक्रय करने के लिए विक्रय अनुमति की मांग की हैं।

अतः किसी भी व्यक्ति शासकीय / अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के विक्रय के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आमसूचना प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही की जायेंगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

न्यायालय तहसीलदार धरसींवा तहसील व जिला रायपुर (छत्तीसगढ़)

इश्तिहार

क्रमांक //ब-121/वर्ष 2024-25
ग्राम कन्हेरा, प.ह.नं. 28 रा.नि.मं. धरसींवा
तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)

धरसींवा, दिनांक 30.04.2025

एतद द्वारा सर्वसाधरण को सुचित किया जाता है आवेदक न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) रायपुर का **पत्र क्रमांक 43/3/वाचक/अ.वि.अ./2025** रायपुर **दिनांक 14.02.2025** के माध्यम से पत्र प्राप्त हुआ है. जिसमें कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव जिला रायपुर द्वारा कलेक्टर महोदय रायपुर के समक्ष आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया जिसमें लेख कर बताया है कि **ग्राम कन्हेरा प.ह.नं. 27** स्थित भूमि **खसरा नं. 384, 386, रकबा 0.809, 6.014हे. की भूमि में से 4.00हे.** की भूमि को नगर पालिक निगम बीरगांव को आबंटित किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है, जिसका प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उक्त अवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो वे नियत सुनवाई **दिनांक 15.05.2025** तक स्वतः अथवा वैद्य प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

आज **दिनांक 30.04.2025** को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

मुहर

तहसीलदार,
धरसींवा

कार्यालय, जोन क्रमांक-10, नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक 04/न.पा.नि./ जोन-10/25-26 — **रायपुर, दिनांक 02.05.2025**

मैनुअल पद्धति निविदा आमंत्रित की जाती है

01. निविदा प्रपत्र हेतु आवदेन तिथि	14.05.2025	कार्यालयीन समय 5:00 बजे तक
02. निविदा प्राप्त करने की तिथि	15.05.2025	कार्यालयीन समय 5:00 बजे तक
03. निविदा जमा करने की तिथि	23.05.2025	कार्यालयीन समय 3:00 बजे तक
04. निविदा खोलने की तिथि	23.05.2025	कार्यालयीन समय 5:0 बजे तक

कार्य का विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	कार्य का नाम	आगणित राशि (लाख में)	अमानती राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य	ठेकेदार की श्रेणी	प्रपत्र एवं एस.ओ.आर. का विवरण	समय विधि
01	जोन क्र.10 अंतर्गत वार्ड क्र.52, 53, 54 एवं 56 में नाली, पुलिया एवं गड्ढे मरम्मत कार्य। (संधारण मद)	3.76	4000/-	750/-	डी एवं	प्रपत्र 'अ' (पी डबल्यूडी भवन / रोड दिनांक इसरो ऊपर 01.01.2015 सशोधित एस.ओ.आर.)	02 माह
02	जोन क्र.10 अंतर्गत समस्त वार्ड में बैकलेन पेटिंग कार्य। (संधारण मद)	3.00	3000/-	750/- इसरो ऊपर	डी एवं	प्रपत्र 'स' (नॉन एसओआर)	02 माह
03	फुण्डहर अटल परिसर में कांक्रीटीकरण का कार्य। (सामान्य मद)	4.13	4500/-	750/-	डी एवं इसरो ऊपर	प्रपत्र 'अ' (पी डबल्यूडी रोड दिनांक 01.01.2015 सशोधित एस.ओ.आर.)	02 माह
04	अमृत मिशन एवं जोन अंतर्गत पेयजल समस्या निवारण हेतु इंटरकनेक्शन कार्य एवं मरम्मत कार्य। (जल कष्ट मद)	3.88	4000/-	750/-	डी एवं इसरो ऊपर	प्रपत्र 'अ' (पी.एच.ई. रोड दिनांक 01.06.2020 सशोधित एस.ओ.आर.)	02 माह
05	रानी दुर्गावती वार्ड क्र.50 अंतर्गत विभिन्न स्थानों में अमलीडीह जलागार से इंटरकनेक्शन कार्य। (सामान्य मद)	8.94	7000/-	750/-	डी एवं इसरो ऊपर	प्रपत्र 'अ' (पी.एच.ई. रोड दिनांक 01.06.2020 सशोधित एस.ओ.आर.)	02 माह
06	जोन क्रमांक 10 अंतर्गत व्ही.आई.पी. रोड, श्री राम मंदिर रोड, एक्सप्रेस वे चौक, एक्सप्रेस वे माना रोड तथा एयरपोर्ट मोड़ तक आवारा पशुओं से रोकथाम हेतु काउ कैचर कार्य हेतु 05 श्रमिक उपलब्ध कराये जाने बाबत।	8.286	6500/-	750/-	लेबर लायसेंस	प्रपत्र 'ब' (कलेक्टर महोदय के निर्धीतर दर पर)	12 माह

1. नगर पालिक निगम, रायपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु लोक निर्माण विभाग छ.ग. शासन, रायपुर में एकीकृत पंजीयन प्रणाली से सक्षम श्रेणी में पंजीकृत तथा कार्य के अनुभवी ठेकेदारों से तीन लिफाफा पद्धति जमा करना है।
3. लिफाफा (ब) में निविदा प्रपत्र भरकर सीलबंद करना होगा।
2. लिफाफा (अ) में अमानती राशि का एफ.डी. आर. व शपथ पत्र एवं चाही गई समस्त दस्तावेज ।
4. (अ)+(ब) एक अन्य तीसरे लिफाफा (स) में भरकर ही स्पीड पोस्ट के द्वारा प्राप्त किया जावेगा ।
5. प्रपत्र की लिफाफा (ब) खोली जावेगी तथा लिफाफे में अ.ब.स अंकित होगा अनिवार्य है। सर्वप्रथम लिफाफा (स) खोलने के पश्चात् लिफाफा (अ) खोला जावेगा जिसमें अमानती राशि का एफ.डी.आर एवं अन्य चाही गई दस्तावेज होने पर ही
6. निविदा जमा करने की तिथि एवं खोलने के तिथि में किसी वजह से अवकाश घोषित होता है तो वह कार्यालयीन दिवस में किया जावेगा।
7. सक्षम श्रेणी का ई-रजिस्ट्रेशन, बैंक सालवेंसी, अंतिम तीन साल का आईटीआर, पेन कार्ड, जीएसटी रजिस्ट्रेशन एवं अंतिम तीन माह का जी.एस.टी.आर, अमानती राशि का एफ.डी.आर. के साथ जमा करना अनिवार्य होगा।
8. स.क्र. 06 लेबर रजिस्ट्रेशन, ई.पी.एफ. एवं ई.एस.आई.सी. रजिस्ट्रेक्शन, बैंक सालवेंसी, लास्ट तीन का साल आईटीआर एवं, पेन कार्ड, जीएसटी रजिस्ट्रेशन एवं लास्ट तीन माह का जी.एस.टी.आर., अमानती राशि का एफ.डी.आर. के साथ जमा करना अनिवार्य होगा।
9. तीन वर्ष के आयकर की बाध्यता नए फों के लिए बाध्यकारी नहीं होगी। 9.
10. किसी भी निविदा को स्वीकार अथवा अस्वीकार करने का अधिकार नगर निगम रायपुर के पास सुरक्षित है।
11. निविदा संबंधी अन्य शर्तें एवं जानकारियों कार्यालय अवधि/दिवस में प्राप्त की जा सकती है।
12. ठेकेदार को From A B & C में दिये गये सभी शर्तें के अनुसार कार्य किये जाना अनिवार्य है।

घरों से निकलने वाले गीला एवं सूखा कचरें का सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

जोन आयुक्त,
जोन क्रमांक-10.
नगर पालिक निगम, रायपुर

सुरक्षा की दृष्टि से नगर पंचायत बिश्रामपुर में लगेंगे सीसी कैमरे

लघु एवं कुटीर उद्योग के माध्यम से स्वयं सहायता समूह के महिलाओं को करेंगे प्रशिक्षित- निर्मला यादव

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार)- नगर पंचायत बिश्रामपुर के नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निर्मला यादव बिश्रामपुर को अपराधी तत्वों से सुरक्षित रखने के लिए पूरे कॉलोनी में सीसी कैमरे लगाने की अपनी पहली प्राथमिकता बताई है। आज दैनिक विश्व परिवार से विशेष चर्चा करते हुए नवनिर्वाचित विश्रामपुर नगर पंचायत के अध्यक्ष श्रीमती निर्मला यादव ने कहा कि नगर पंचायत की विभिन्न कॉलोनीयो में अपराधी एवं चोरी की शिकायतें बार-बार लोगों से मिलती रही है इन अपराधियों पर नजर रखने के लिए तीसरी आंखे सीसी कैमरा रखेगी ,इन्होंने कहा कि प्रत्येक कॉलोनीयों के महत्वपूर्ण स्थान पर सीसी कैमरा लगाए जाएंगे ताकि असामाजिक तत्वों की आवाजाहि पर नजर रख सके ।

जिन वार्डों में विद्युत नहीं है विद्युत का की जाएगी व्यवस्था- नगर पंचायत अध्यक्ष निर्मला यादव ने कहा कि मेरी अपनी प्राथमिकता में जिन वार्डों में विद्युत की व्यवस्था नहीं है उन वार्डों में सीएससीबी से विद्युतीकरण कराकर प्रकाश की व्यवस्था की जाएगी ।युवाओं में खेल के प्रति बढ़ावा देने के लिए फुटबॉल ,क्रिकेट ,कुश्ती ,कबड्डी का प्रशिक्षण दिया जाएगा । व्यायाम शाला की व्यवस्था की जाएगी जिसमें प्रशिक्षित शिक्षक नगर के युवाओं को खेल की बारीकिया सिखाएंगे ताकि नगर के बच्चे प्रदेश एवं राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्रामपुर का नाम रोशन कर सके, इन्होंने कहा कि खेल को बढ़ावा देने के लिए प्रतिवर्ष इन खेलों का विश्रामपुर में आयोजन भी नगर पंचायत करेगी।

शैक्षणिक व्यवस्था होगी दुरुस्त विद्यालयों का समय-समय पर होगा निरीक्षण- नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निर्मला यादव ने कहा कि नगर में संचालित शासकीय महाविद्यालय, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ,प्राथमिक विद्यालयो में शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए समय-समय

पर अवलोकन करेंगे साथ जो खामियां होगी उसे दूर करेंगे। आवश्यकता होगी उसे पूरा करेंगे ताकि विद्यार्थियों को सही शिक्षा मिल सके। विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों को अनुकूल वातावरण बन सके विद्यार्थी अच्छा पढ़ाई में अच्छा कर सके इसके लिए नगर पंचायत बेहतर कदम अपने स्तर से उठाएगी।

नलों से अनावश्यक जल बहने पर उसे करेंगे विच्छेद- नगर पंचायत अध्यक्ष निर्मला यादव ने कहा कि जल ही जीवन है ,प्रत्येक प्राणी के लिए जल की आवश्यकता होती है। अधिकतर शिकायत मिल रही है कि नगर पंचायत विश्रामपुर ने विभिन्न कालोनियों में नल के माध्यम से जल की आपूर्ति करती है जिसे लोग दिन-रात व्यर्थ चलवाते रहते हैं, यदि नलों से व्यर्थ जल बहते हुए दिखा तो उसे नल को विच्छेद कर दिया जाएगा। नगर पंचायत के कर्मचारी समय-समय पर व्यर्थ जल बहाने वाले नलों का सर्वेक्षण करेंगे तो सही पाए जाने पर उस नल को विच्छेद कर देंगे। जल संरक्षण एवं सही उपयोग के लिए लोगों को सामने आना पड़ेगा । जागरूकता के माध्यम से लोगों को जागृत करना होगा ,सभी को समझना होगा कि जल जीवन के लिए बहुत महत्वपूर्ण है इसे व्यर्थ न बहाया जाय

पर्यावरण संतुलन के लिए लगाए जाएंगे पौधे लगे हुए वृक्षों को होगा संरक्षण - नगर पंचायत अध्यक्ष निर्मला यादव ने बताया कि इन दिनों तापमान 42 डिग्री पहुंच रहा है यह सब वृक्षों की कटाई के वजह से हुई है लोग वृक्ष नहीं लगाएंगे परंतु छाया सभी को चाहिए ,जब छाए चाहिए तो प्रत्येक व्यक्ति को वृक्ष लगाना ही होगा। जो वृक्ष है उन्हें बचाना ही होगा, इसके लिए प्रत्येक नागरिकों का कर्तव्य बनता है कि वह बढ़ चढ़ कर वृक्ष लगाए और जो लगे हुए वृक्ष है उसे नर्सरी से ग्रामीण काट रहे हैं उन्हें रोकने का प्रयास करें, यदि वृक्ष नहीं लगाए गए उन्हें नहीं संरक्षण किया गया तो आने वाली पीढ़ियां हमें माफ नहीं करेगी।

कुटीर उद्योग के माध्यम से दूर किया जाएगा बेरोजगारी- नगर क स्वयं सहायता समूह के महिला सदस्यों को स्वावलंबी बनाने के लिए लघु एवं कुटीर उद्योग के लिए प्रेरित किया जाएगा इसके लिए एस आर सेंटर में शेड एवं कमरे निर्माण कर कुटीर एवं लघु उद्योग के माध्यम से महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा ।कुटीर एवं लघु उद्योग के माध्यम से पत्तल , दोना,साबुन ,अगरबत्ती, सिलाई ,कढ़ाई , बकरी पालन, मुर्गी पालन ,बत्तख पालन इत्यादि के माध्यम से महिलाओं को स्वावलंबी बनाया जाएगा। महिलाएं स्वावलंबी बनेगी उनका परिवार मजबूत होगा उन्हें रोजगार के लिए इधर-उधर भटकने से रोका जा सकता है।

ग्राम पंचायत से नगर पंचायत बनाने के बाद 20 वर्षो से है पति-पत्नी का शासन- ग्राम पंचायत बिश्रामपुर से लेकर नगर पंचायत बिश्रामपुर बनने तक पति-पत्नी का शासन रहा है। इनकी कार्यकाल पर नजर डालें तो ग्राम पंचायत बिश्रामपुर का सरपंच के रूप में राजेश यादव 1994 से 1999 तक 5 वर्षों तक अपना कार्यकाल पूरा किया ।

अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर जनप्रतिनिधियों ने मजदूरों को किया सम्मानित

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार)- आज अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर नगर पंचायत बिश्रामपुर में सम्मान समारोह का का आयोजन नगर पंचायत की जनप्रतिनिधियों ने आयोजित कर स्वच्छता दीदियों एवं भाइयों का सम्मानित किया।

उक्त कार्यक्रम में स्वच्छता दीदियों, भाइयों को उपस्थित नगर पंचायत के अध्यक्ष निर्मला यादव,नगर पंचायत उपाध्यक्ष दीपेंद्र सिंह चौहान एवं पार्षद रवि शंकर बबुआ ,अमरेश प्रसाद, रामजीत यादव, रविंद्र विश्वकर्मा, विनोद ,संजीत यादव, अर्चना लकड़ा , सरवटे , पिंटू मिश्रा, राजकुमार मौर्य ,नगर पंचायत के रणदीप दास, आकाश सिन्हा ने स्वच्छता दीदी एवं स्वच्छता कर्मचारियों को अंग वस्त्र देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन रवि शंकर बबुआ ने किया नगर पंचायत

उपाध्यक्ष दीपेंद्र सिंह चौहान ,नगर पंचायत अध्यक्ष निर्मल यादव ने अपने विचार रखें और अर्चना लकड़ा ने सम्मान में अपने विचार रखी। नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष राजेश यादव ने आयोजन में उपस्थित सभी जनों का आभार व्यक्त किया

सरस्वती शिशु मंदिर बुधवारी में वार्षिक परीक्षा परिणाम हुए घोषित

कोरबा(विश्व परिवार)। सरस्वती शिशु मंदिर, बुधवारी बाजार कोरबा ने अपने वार्षिक परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया है। इस वर्ष का सफलता प्रतिशत 98.16: रहा, और अधिकतर कक्षाओं का परिणाम शत-प्रतिशत रहा। विद्यालय प्रबंधन ने इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर की है। विद्यालय में लगभग 3000 छात्र-छात्राएं हैं और सभी ने उत्साह के साथ परीक्षा में भाग लिया था। परिणाम की घोषणा के साथ ही मेधावी छात्रों को सम्मानित करने के लिए एक समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंध कार्यकारिणी सदस्य मुख्य अतिथि विकास जोशी ने छात्रों को निरंतर प्रयास और लक्ष्य के प्रति समर्पण की प्रेरणा दी। इस अवसर पर विकास जोशी ने कहा कि यह परिणाम मेहनत, समर्पण और सही मार्गदर्शन का फल है। उन्होंने शिक्षकों और अभिभावकों की भूमिका को सराहा। समारोह में मेधावी छात्रों को शील्ड और प्रगति पत्रक देकर सम्मानित किया गया। बड़ी संख्या में अभिभावक, माताएं और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। विद्यालय प्राचार्य राजकुमार देवांगन ने भी छात्रों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इससे पहले विद्यालय में शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। 29 अप्रैल को कक्षा 1 से 4 तक का परिणाम घोषित किया गया था, जबकि 30 अप्रैल को कक्षा 6, 7, 9 और 11 का परिणाम घोषित किया गया। विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों ने छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि यह परिणाम उनकी मेहनत और लगन का परिणाम है। उन्होंने छात्रों को आगे भी इसी तरह मेहनत करने के लिए प्रेरित किया।

पुलिस ने अवैध रूप से शराब बेचने वाले दो शराब कोचियों को किया गिरफ्तार

बिलासपुर(विश्व परिवार)। जिले की रतनपुर पुलिस ने अवैध रूप से शराब बेचने वाले दो कोचियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 304 लीटर कच्ची महुआ शराब कीमती 60800 रूपये, शराब बनाने का बर्तन जप्त को किया है। पुलिस अधीक्षक जिला बिलासपुर रजनेश सिंह (भा.पु.से.) के द्वारा जिले में नशे के कारोबारियों पर लगातार कार्यवाही करने निर्देशित किया गया है। जिसके परिपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) अर्चना झा एवं श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) कोटा ी नूपुर उपाध्याय के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी रतनपुर नरेश कुमार चौहान के द्वारा नशे के आरोपियों पर कार्यवाही करने टीम गठित किया गया है। दिनाँक 01/05/2025 को मुखबीर से सुचना मिला कि ग्राम गोंदईया में अवैध रूप से कच्ची महुआ शराब का निर्माण कर रहे हैं। कि सुचना पर रेड कार्यवाही हेतु टीम रवाना हुई थी, जहाँ ग्राम गोंदईया (भरकापारा) निवासी अनिल ऊर्फमोनू साहू तथा सत्यप्रकाश ऊर्फननका साहू अपने पुराने घर के आँगन में भारी मात्रा में कच्ची महुआ शराब बनाते हुये मिले जिनके कब्जे से 304 लीटर कच्ची महुआ शराब कीमती 60800 रूपये तथा भारी मात्रा में शराब बनाने का बर्तन को जप्त कर उक्त व्यक्तियों के विरूद्ध धारा 34(2) आब. एक्ट की कार्यवाही कर आरोपियों को न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया।

सेवा निवृत सहायक उप निरीक्षक रामजी राम भगत को पुलिस कर्मियों ने दी बधाई

सेवानिवृत्ति एक स्वभाविक प्रक्रिया, अच्छे काम को लोग रखते याद- एसएसपी

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार)- पुलिस विभाग में पदस्थ रहे एएसआई रामजी राम भगत ने 39 वर्ष 1 माह तक लगातार अपनी सेवा दे कर कल 30 अप्रैल को सेवानिवृत्त हुये। बुधवार को जिला पुलिस कार्यालय में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। विदाई समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर प्रशांत कुमार ठाकुर समेत कई पुलिस अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

विदाई समारोह को संबोधित करते हुए डीआईजी व एसएसपी श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने कहा कि सेवानिवृति एक स्वभाविक प्रक्रिया है जो सरकारी सेवा में है उन्हें एक न एक दिन सेवानिवृत होना ही है। उनके द्वारा अपने सेवा

काल में किए गए कार्य ही उनकी पहचान है तथा उनके द्वारा किए गए कार्य से ही उनकी पहचान लंबे समय तक लोगों के जेहन में रहती है। उन्होंने सेवानिवृत हुए एएसआई के अच्छे स्वास्थ्य एवं लंबी उम्र की कामना की। इस मौके पर डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर ने सेवानिवृत हुए एएसआई को साल-श्रीफल, स्मृति चिन्ह एवं उपहार भेंट कर सम्मानित किया और पेंशन स्वीकृति सहित देय स्वत्वों का भुगतान के आदेश सौंपा। इस दौरान सेवा निवृत्त हो रहे एएसआई द्वारा सेवा के अनुभव को साझा किया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो, सीएसपी एस.एस.पैंकरा, डीएसपी मुख्यालय महालक्ष्मी कुलदीप, एसडीओपी सूरजपुर अभिषेक पैंकरा, डीएसपी अनूप एक्का, थाना प्रभारी, जिला पुलिस कार्यालय के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

डी.ए.वी. विश्रामपुर में प्रथम चरण के तीन दिवसीय 'क्षमता संवर्धन कार्यशाला का आयोजन

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- डीएवी संस्थान छत्तीसगढ़ जोन के क्षेत्रीय अधिकारी एवं प्रशिक्षण समन्वयक श्री प्रशांत कुमार के कुशल दिशा- निर्देशन एवं सूरजपुर क्लस्टर प्रभारी श्री एच के पाठक जी, प्राचार्य डीएवी विश्रामपुर के मार्गदर्शन में सूरजपुर क्लस्टर एवं जोन बी क्लस्टर का संयुक्त रूप से 1 मई से 3 मई 2025 तक डीएवी पब्लिक स्कूल विश्रामपुर में प्रथम चरण के तीन दिवसीय 'क्षमता संवर्धन प्रोग्राम' 2025-26 का आयोजन किया गया। उक्त कार्यशाला में हिंदी, गणित, विज्ञान , विषयों एवं नर्सरी से दूसरी कक्षा तक के लिए ईईडीपी कार्यशाला में विविध डीएवी स्कूलों विश्रामपुर, भटगांव, चिरिमिरी, कोरबा पांडवपारा, छाल, गेवरा, कुसमुंडा, सोनाडीह, अकलतरा मोनेट रायगढ़ एवं

तिलाईपाली से कुल 76 प्रशिक्षार्थी अध्यापक-अध्यापिकाएं और विविध विषयों के 19 विषय विशेषज्ञ एवं गणित विषय प्राथमिक व पूर्व माध्यमिक स्तर के समन्वयक श्री एस के पाण्डेय जी, प्राचार्य डीएवी स्कूल चिरिमिरी, विज्ञान विषय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक स्तर के समन्वयक श्री एच के पाठक जी, प्राचार्य डीएवी स्कूल विश्रामपुर, हिंदी विषय प्राथमिक, पूर्व माध्यमिक व माध्यमिक स्तर के समन्वयक श्री ए एम चौबे जी, सीनियर पीजीटी हिंदी,डीएवी विश्रामपुर, एवं नर्सरी से दूसरी कक्षा तक के समन्वयक श्रीमती विधु शर्मा जी, ए आर ओ व प्राचार्य डीएवी मुख्यमंत्री स्कूल तिलसिवा सम्मिलित हुए। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री एस के त्रिपाठी, ए एफ एम एसईसीएल विश्रामपुर क्षेत्र एवं विषय समन्वयकों,विषय विशेषज्ञों एवं अध्यापक - अध्यापिकाओं के कर-कमलों से दीप प्रज्वलन के साथ डीएवी गान से किया गया। कार्यशाला आयोजक प्रभारी श्री एच के पाठक जी एवं वरिष्ठ अध्यापक-अध्यापिकाओं के द्वारा मुख्य अतिथि महोदय एस के त्रिपाठी जी, विषय समन्वयकों श्री एस के पाण्डेय जी, श्रीमती विधु शर्मा जी, श्री ए एम चौबे जी एवं विविध डीएवी स्कूलों से पधारे विषय विशेषज्ञों को सैंपलिंग एवं पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के संगीत शिक्षक श्री नासिर खान के द्वारा अतिथियों के सम्मान में स्वागत गान प्रस्तुत किया गया। वेन्यू इंचार्ज श्री एच के पाठक जी ने अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि महोदय, विविध डीएवी स्कूलों से पधारे विषय समन्वयकों , विषय विशेषज्ञों एवं प्रशिक्षार्थी अध्यापक-अध्यापिकाओं का स्वागत करते हुए प्रथम चरण के तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजन के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इससे निश्चित रूप से उच्च शिक्षण कौशलों का विकास होगा ।डीएवी सीएई दिल्ली में आयोजित कार्यशालाओं से प्रशिक्षित विविध विषय विशेषज्ञ प्राप्त ज्ञान एवं तकनीकी कौशल से प्रशिक्षार्थियों को अवगत कराएंगे और प्रशिक्षार्थी अध्यापक-अध्यापिकाएं अपने विद्यालय में व्यावहारिक स्तर पर प्राप्त ज्ञान एवं कौशलों का प्रयोग कर विद्यार्थियों को लाभान्वित करेंगे तथा तकनीकी शिक्षण एवं पाठ्यक्रम को रोचक एवं सरल बनाने की विधियों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। मुख्य अतिथि श्री एस के त्रिपाठीजी ने अपने उद्बोधन में कहा कि ऐसी कार्यशाला से शिक्षण स्तर प्रभावी बन जाता है और उच्च शिक्षण कौशलों का विकास भी होता है। इससे विद्यार्थियों की शिक्षा में गुणात्मक सुधार आता है।

संक्षिप्त समाचार

अमानत में खयानत के मामले में 2 आरोपी को चौकी लटोरी पुलिस ने किया गिरफ्तार

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- अम्बिकापुर निवासी मकसूद आलम ने चौकी लटोरी में रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 21.03.2025 को गन्ना भिलाई मिलन चौक के गन्ना व्यापारी को भेजना था इसके लिए खरसिया चौक के पास एक ट्रक सीजी 04 क्यूए 5721 खडा मिला जो रायपुर तरफ वापसी भाड़ा खोज रहा था उक्त गाड़ी का चालक जिससे 13 सौ रूपये प्रति टन के दर से गन्ना पहुंचाने का सौदा तय कर 14 टन गन्ना भिलाई के लिए भेजा जिसे दिनांक 23.03.2025 को भिलाई पहुंचना था जो समय पर नहीं पहुंचा, डाईवर को फोन लगाने फोन नहीं उठाया, डाईवर के नाम का पता ट्रू-कॉलर पर मोबाईल नंबर के आधार पर मनीष पाण्डेय पता चला था जिसने 11 टन गन्ना कीमत 1 लाख 10 हजार रूपये को अन्यत्र स्थान पर बिक्री कर अमानत में खयानत किया है। प्रार्थी की रिपोर्ट धारा 316(3), 3(5) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। मामले की सूचना पर डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने आरोपी की पतासाजी कर जल्द पकड़ने के निर्देश दिए। चौकी लटोरी की पुलिस ने नए संसाधनों की मदद व मुखबीर की सूचना के आधार पर आरोपी चालक समीर केरकेट्टा पिता स्व. रथु उम्र 44 वर्ष ग्राम नाथपुर जुराटोली पोस्ट नाथपुर थाना पालकोट जिला गुमला झारखण्ड, हाल मुकाम चोंगीखपरी, चौकी देवकर थाना साजा जिला बेमेतरा एवं उसके साथी तुमनलाल देशलहरे पिता सोलाल उम्र 33 वर्ष, निवासी चोंगीखपरी, चौकी देवकर थाना साजा जिला बेमेतरा को पकड़ा। पूछताछ पर दोनों ने बताया कि गन्ना को निर्धारित स्थान पर न पहुंचाते हुए गन्ना को 47226 रूपये में बिक्री कर प्राप्त रकम को गाड़ी का किस्त भरने एवं खाने-पीने में खर्च कर दिए। आरोपियों के निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त ट्रक को जप्त कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। कार्यवाही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो व एसडीओपी सूरजपुर अभिषेक पैंकरा के मार्गदर्शन में चौकी प्रभारी लटोरी अरूण गुप्ता, प्रधान आरक्षक सुशील मिश्रा, आरक्षक अम्बिका सिंह, सुनील एक्का सक्रिय रहे।

चलती जीप में लगी आग, मची हड़कम्प

कोरबा(विश्व परिवार)। राह चलते लोग उस समय भौंचक्के रह गए जब एक वाहन में अचानक आग लग गई। बोनट से धुआं उठता देख ड्राइवर वक्त रहते बाहर निकलकर भागा। इससे पहले कि लोग कुछ समझ पाते, वाहन में शोले उठने लगे और पूरी गाड़ी लपटों से घिर गई। कुछ देर में ही पूरी जीप जलकर खाक में बदल गई। 30 अप्रैल बुधवार की शाम सवा छह बजे की यह घटना दर्री बराज के पास मेजर ध्यानचंद चैक की है। बताया जा रहा है कि कंपनी की जीप लेकर ड्राइवर ट्रायल पर था और प्लांट की ओर लौट रहा था। तभी उसने देखा कि बोनट से धुआं उठ रहा है। उसने बोनट खोलने की कोशिश की पर वह खुला ही नहीं और फिर आग की लपटों से पूरी जीप घिर गई। कुछ लोगों ने उपकरण से आग बुझने का प्रयास किया पर कोई फायदा नहीं हुआ। इसके बाद पुलिस और फायर ब्रिगेट को कॉल किया गया। करीब 20 मिनट बाद दमकल पहुंची और आग पर काबू पाया। घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

अवैध नशीले पदार्थ एवं हथियारों के साथ शातिर अपराधी गिरफ्तार

बिलासपुर(विश्व परिवार)। थाना सिविल लाईन पुलिस ने अवैध नशीले पदार्थ एवं हथियारों के साथ शातिर अपराधी शहबाज हुसैन उर्फ शीबू को गिरफ्तार किया है तथा आरोपी से आरोपी से नशीले पदार्थ,03 नग पिस्टल, 26 नग जीवित कारतूस, एवं 07 नग खाली खोखे बरामद किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजनेश सिंह (भा.पु.से.) के निर्देश पर जिले में मादक पदार्थों एवं अवैध हथियारों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेन्द्र जायसवाल एवं नगर पुलिस अधीक्षक (सिविल लाइन) निमितेश सिंह के नेतृत्व में थाना सिविल लाइन पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। दिनांक 30.04.2025 को थाना सिविल लाइन पुलिस को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि शातिर बदमाश शहबाज खान उर्फ शीबू अपने वाहन सफारी स्टॉर्म (क्रमांक छ्त्त-10 श्व-7361) में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी कर रहा है

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर शनिवार 03 मई 2025

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

जीएसटी का रास्ता आसान बनाने की जरूरत

मधुरेंद्र सिन्हा

इस समय टैक्स के चार स्लैब हैं- 5, 12, 18 और 28 फीसदी। इन्हें घटाकर तीन स्लैब करना चाहिए। इन दरों को तर्कसंगत बनाने से वैधानिक मामले कम हो जाएंगे। साथ ही, जीएसटी की रिटर्न प्रणाली और इनपुट टैक्स क्रेडिट नीति में भी बदलाव की जरूरत है। जीएसटी लागू हुए 8 वर्ष हो गए, लेकिन इसके नियमों में हर महीने बदलाव होते रहते हैं जिससे व्यापारियों में भ्रम पैदा होता है। यह तो थी ग्राहकों और कारोबारियों की परेशानी। लेकिन सरकार की शिकायत है कि अभी भी जीएसटी की बड़े पैमाने पर चोरी हो रही है। कई राज्यों में भ्रष्ट अधिकारियों की मिलीभगत से चोरी हो रही है देश में आर्थिक उदारीकरण के बाद जो सबसे बड़ा सुधार हुआ, वह था 'वन नेशन वन टैक्स' का फैसला। इसके तहत ही जीएसटी की नींव रखी गई। कई सरकारों से गुजरता हुआ यह अंत में जीएसटी के रूप में पहली जुलाई 2017 को संसद में पारित हुआ और इसे टैक्स वसूली और कारोबारियों को राहत देने की दिशा में एक गेम चेंजर माना गया। तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली ने इस पर बहुत काम किया और उम्मीद जताई कि यह टैक्स भरने में एक सुगम व्यवस्था बन जाएगा। लेकिन शुरुआत बहुत बुरी हुई और पहले तो इसका वेबसाइट बार-बार क्रैश करने लगा और फिर बहुत से कॉलम भी आसानी से भरे नहीं जा रहे थे। इन तकनीकी समस्याओं से जूझते हुए भी इस सुधार को आगे बढ़ाया गया। लेकिन इसमें तरह-तरह की अड़चनें आने लगीं जिसका अंत अब तक होता नहीं दिख रहा है। कारोबारियों को बताया गया था कि यह आसान व्यवस्था होगी और उनके लिए टैक्स भरना पहले से भी आसान होगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। कई तरह की समस्याएं आती रहीं और कई तरह की विसंगतियां भी। लेकिन पूर्ण समाधान होता नहीं दिख रहा है। दरअसल जीएसटी को सुचारू रूप से लागू करने के लिए एक जीएसटी काउंसिल बनाई गई थी और वह अभी भी इसका काम देखती है। भारत सरकार के वित्त विभाग के अंतर्गत यह नहीं है, सिवा इसके कि केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण इसकी अध्यक्षता करती हैं। उन्हें अपने बूते किसी भी तरह का फैसला करने का अधिकार नहीं है। वहां जो भी फैसले होते हैं, वे सभी बहुमत से होते हैं, यानी सभी राज्यों के चुने प्रतिनिधियों जो सामान्य रूप से वित्त मंत्री होते हैं। यह इस काउंसिल का लोकतांत्रिक स्वरूप जताता है, लेकिन यह कई बड़े फैसले न ले पाने का कारण भी बनता है। वित्त मंत्री की बहुत इच्छा रही है कि पेट्रोल-डीजल को जीएसटी में शामिल किया जाए, ताकि इसके दाम भी पूरे देश में लगभग एक समान हों, लेकिन कई सदस्य इसे होने नहीं दे रहे हैं। वे अपने राज्य के हित में चलते हुए ऐसा नहीं होने देते। जब भी किसी राज्य को अपना राजस्व बढ़ाना होता है, वह तुरंत ही पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ा देता है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण है कर्नाटक, जहां इनकी कीमतें सबसे ज्यादा हैं। अगर इस पर जीएसटी लगा होता तो ऐसा संभव नहीं था। यह तो हुई जनता की परेशानी। अब आते हैं कारोबारियों-व्यापारियों पर जो अब तक जीएसटी भुगतान में सहज नहीं हो पा रहे हैं। इसमें कई तरह की विसंगतियां हैं, मसलन दो तरह के सामान जो मिलकर एक उत्पाद होते हैं, उन पर अलग-अलग टैक्स दरें हैं। यह कारोबारी के लिए एक परेशानी है। अगर हम भारत के एक पॉपुलर स्नैक बन मस्का को देखें तो पाएंगे कि बन पर टैक्स की दर अलग है और मस्का यानी मक्खन पर अलग। अब व्यापारी किस दर से टैक्स लेगा? रेस्तरां में रोटी पर कम टैक्स है तो पराठे पर ज्यादा। बिना एसी वाले रेस्तरां के लिए अलग दर है तो एसी वाले के लिए अलग। खुले सामान पर कोई टैक्स नहीं है, लेकिन पैकेट में आते ही उस पर टैक्स लगेगा। ऐसे सैकड़ों उदाहरण हैं जो जीएसटी की विसंगतियां बताते हैं। इसके अलावा कई सेवाओं पर 18 फीसदी का भारी भरकम टैक्स भी है। एक ओर तो सरकार जनता के स्वास्थ्य को लेकर चिंता जाहिर करती है, तो दूसरी ओर काउंसिल ने हेल्थ इंश्योरेंस पर 18 फीसदी जीएसटी लगा रखा है। व्यापारियों का कहना है कि दरों में विसंगति न हो और उन्हें तार्किक बनाया जाए। उनकी यह भी शिकायत है कि वे पूरे माह जीएसटी रिटर्न भरने में लगे रहते हैं, नहीं तो लाखों की देनदारी का नोटिस आ जाता है। रेस्तरां के एसी या नॉन एसी होने से जीएसटी कैसे घट-बढ़ सकता है जबकि आज देश में निम्न आय वर्ग के लोग भी भीषण गर्मी की मार से बचने के लिए अपने घरों में एसी लगाते हैं। इस समय टैक्स के चार स्लैब हैं- 5, 12, 18 और 28 फीसदी। इन्हें घटाकर तीन स्लैब करना चाहिए। इन दरों को तर्कसंगत बनाने से वैधानिक मामले कम हो जाएंगे। साथ ही, जीएसटी की रिटर्न प्रणाली और इनपुट टैक्स क्रेडिट नीति में भी बदलाव की जरूरत है। जीएसटी लागू हुए 8 वर्ष हो गए, लेकिन इसके नियमों में हर महीने बदलाव होते रहते हैं जिससे व्यापारियों में भ्रम पैदा होता है। यह तो थी ग्राहकों और कारोबारियों की परेशानी। लेकिन सरकार की शिकायत है कि अभी भी जीएसटी की बड़े पैमाने पर चोरी हो रही है। कई राज्यों में भ्रष्ट अधिकारियों की मिलीभगत से चोरी हो रही है। साल 2022-23 में देश में दो लाख करोड़ रुपए की टैक्स चोरी पकड़ी गई। पिछले पांच वर्षों में केन्द्रीय जीएसटी अधिकारियों ने टैक्स चोरी के 86717 मामलों का पता लगाया जिससे 6.79 लाख करोड़ रुपए की हेराफेरी का पता लगा। जीएसटी के नियम बनाने में लंबे समय जुड़े रहे सुमित दत्त मजूमदार जो सीबीसीई के चेयरमैन भी रहे और जिन्होंने पी चिदंबरम तथा प्रणव मुखर्जी के साथ काम किया था, कहते हैं कि जीएसटी के नियमों को इतना सरल कर दिया जाना चाहिए कि छोटे से छोटे कारोबारी को भी यह आसानी से समझ में आ जाएं। टैक्सेशन सिर्फ राजस्व उगाही का माध्यम नहीं होना चाहिए, यह जनता के हित में होना चाहिए। जीएसटी को लागू हुए लगभग आठ साल होने वाले हैं। वहीं अब ई-वे बिल को भी मंजूरी मिल चुकी है। जीएसटी जैसा रिफॉर्म देश के लिए अब भी नया है। ऐसे में कारोबारियों को अभी भी इसे पूरी तरह समझने में खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इसी समस्या को दूर करने के लिए बाजार में आज कई तरह के सॉफ्टवेयर मौजूद हैं जिसके जरिए कारोबारी आसानी से अपना जीएसटी रिटर्न समय से भर सकते हैं। जीएसटी के नियम समझने के लिए अकाउंटिंग की अच्छी समझ होनी चाहिए और रिटर्न फाइल करने के लिए आपके पास कंप्यूटर का ज्ञान होना चाहिए, जो कि छोटे कारोबारियों में कम है, क्योंकि छोटे कारोबारियों को सारा काम खुद ही करना होता है। इसके अलावा नियम अगर आसान हों तो कोई भी कारोबारी बिना किसी अकाउंटिंग की जानकारी के जीएसटी को समझ सकता है। इसकी रिटर्न फाइलिंग भी आसान हो सकती है। जैसे कि इनवॉयस लैबल डिटेल की जगह पार्टी वाइज समरी अपलोड की जा सके। साथ ही एचएसएन कोड पर बहुत ज्यादा जोर नहीं होना चाहिए। वहीं रिपोर्टिंग एचएसएन के अनुसार न होकर टैक्स रेट के अनुसार ही हो सकती है। इसके अलावा आरसीएम को और आसान बनाया जा सकता है जैसा कि यूएई समेत कुछ देशों में है। अगर इस तरह के बदलाव हो सकें तो निश्चित तौर पर जीएसटी देश के लिए वरदान साबित हो सकता है। इसके साथ ही छोटे और मध्यम व्यापारियों के रिटर्न दाखिल करने का समय बढ़ाना और इसमें उनकी सहायता के लिए प्रोफेशनल की उपलब्धता सुनिशचित करना भी दिशा में एक अच्छा कदम हो सकता है।

यथार्थ को पलटने की कोशिश.....

आर्थिकी के नियमों के खिलाफ जाते हुए डॉनल्ड ट्रंप ने भूमंडलीकरण के दौर में बने यथार्थ को पलटने की कोशिश की। मगर इस क्रम में उन्होंने अमेरिका की कमजोरी को जग-जाहिर कर दिया है। इससे अमेरिकी रुतबे पर स्थायी प्रहार हुआ है। चीन के खिलाफ टैरिफ वॉर को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के कदम लड़खड़ाते दिख रहे हैं। पिछले दो दिन में इस बारे में खुद उन्होंने और उनके वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने अपनी कमजोरी जाहिर करने वाले बयान दिए हैँ। खबरों के मुताबिक पूंजीपतियों के साथ एक बैठक में बेसेंट ने कहा कि अमेरिका चीन पर लगाए गए टैरिफ को ज्यादा दिन लागू रखने की स्थिति में नहीं है। इसके बाद ट्रंप ने कहा कि 145 प्रतिशत बहुत ऊंची दर है, जिसे नीचे लाया जाएगा। मगर एक दिन बाद उन्होंने कहा कि ऐसा कोई फैसला अभी हुआ नहीं है। इस बीच एक अमेरिकी अखबार ने खबर दी कि टैरिफ को घटा कर 50 से 65 प्रतिशत के बीच लाया जाएगा। इन चर्चाओं से अमेरिका का शेयर बाजार संभला है। निवेशकों में धारणा बनी है कि आखिरकार ट्रंप प्रशासन बाजार की असलियत को समझने लगा है। बताया जाता है कि ट्रंप के रुख में बदलाव वॉलमार्ट, अमेजन और उपभोक्ता सामग्री स्टोर्स की मालिक कुछ अन्य कंपनियों के अधिकारियों से मुलाकात के बाद आया। इन अधिकारियों ने आगाह किया कि दो-तीन हफ्तों में जरूरी चीजों की किल्लत हो जाएगी, जिससे महंगाई में तेज बढ़ोतरी होगी। इन स्टोर्स की ज्यादातर सामग्रियां चीन से आती हैं। उसके बाद ऊंचे स्तर पर जो प्रतिक्रियाएं दिखीं, उसका संकेत यही है कि ट्रंप प्रशासन अब समाधान ढूंढ रहा है। इस क्रम में ऐसे बयान दिए गए हैं कि चीन से वार्ता होने वाली है। जबकि चीन की ओर से ऐसे कोई संकेत नहीं हैं। चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि अगर अमेरिका बातचीत से हल चाहता है, तो उसे पहले धमकी और जोर-जबरदस्ती की भाषा छोड़ कर बराबरी और दोतरफा सम्मान की भावना से आगे आना चाहिए। यह घटनाक्रम जाहिर करता है कि अर्थशास्त्र के बुनियादी नियमों के खिलाफ जाकर कोई आर्थिक मकसद हासिल नहीं हो सकता। ट्रंप ने ऐसा कर भूमंडलीकरण के दौर में बने आर्थिक यथार्थ को पलटने की कोशिश की। मगर इस क्रम में उन्होंने अमेरिका की कमजोरी को जग-जाहिर कर दिया है। इससे अमेरिकी रुतबे पर स्थायी प्रहार हुआ है।

आलेख

किसी को अंदाजा नहीं है कि क्या बड़ा होने वाला है

अजीत द्विवेदी

जम्मू कश्मीर के पहलगाम की बैसरन घाटी में मंगलवार, 22 अप्रैल को हुए नरसंहार के बाद भारत की पहली आधिकारिक प्रतिक्रिया बुधवार, 23 अप्रैल की देर शाम को आई, जब सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति यानी सीसीएस की बैठक में पांच बड़े फैसले किए गए। यह एक त्वरित और कूटनीतिक प्रतिक्रिया है, जिस पर नागरिकों के एक बड़े समूह को निराशा हुई है। उनका कहना है कि पहलगाम जैसी बड़ी घटना के बाद भारत की प्रतिक्रिया इतनी मुलायम नहीं होनी चाहिए, बल्कि भारत को तत्काल पाकिस्तान को सबक सिखाना चाहिए। लोग सैन्य कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

सोशल मीडिया 'देशभक्तों' की खून खौलाने वाली बातों से भरा है। खून के बदले खून की मांग की जा रही है। जाहिर है ऐसी घटनाओं के बाद आम लोगों की प्रतिक्रिया ऐसी ही होती है और सरकारें बड़े सामरिक फैसले आम लोगों की प्रतिक्रिया के हिसाब से नहीं करती हैं। फिर भी यह सवाल तो है ही कि पहलगाम के बाद क्या रास्ता है?

क्या भारत सरकार पहलगाम की घटना को आगे के बड़े खतरे का संकेत समझ कर ऐसी कार्रवाई करगी, जो इससे पहले नहीं हुई हो या सरकार की प्रतिक्रिया वैसी ही होगी, जैसी उरी के बाद हुई, बालाकोट के बाद हुई या पुलवामा के बाद हुई? कह सकते हैं कि भारत ने एयर स्ट्राइक या सर्जिकल स्ट्राइक की। लेकिन उससे हासिल क्या हुआ? क्या आतंकवाद का नेटवर्क ध्वस्त हो गया? क्या सीमा पार के सारे आतंकवादी लॉन्च पैड नष्ट हो गए? क्या आतंकवादी संगठनों के सरगना मारे गए? ऐसा कुछ नहीं हुआ।

उलटे नए आतंकवादी संगठन बने, जो पहले से ज्यादा खूंखार हैं और जिनको कश्मीर के स्थानीय नागरिकों का भी ख्याल नहीं है। असल में भारत की ओर से जो प्रतिक्रिया दी गई वह तात्कालिक थी, जिसका मकसद लोगों की भावनाओं का उबाल ठंडा करना था। किसी दीर्घकालीन योजना के तहत कार्रवाई नहीं हुई। तभी ऐसी कार्रवाइयों से आंशिक सफलता हासिल हुई।

यह अलग बात है कि सरकार लगातार यह नैरेटिव बनाने का प्रयास करती रही है कि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश में आतंकवादी हमले नहीं हो रहे हैं। यह भी कहा जा रहा है कि अनुच्छेद 370 हटने के बाद जम्मू कश्मीर में शांति बहाल हो गई है। लेकिन यह अधूरा सच है। अनुच्छेद 370 हटने के बाद राज्य में शांति की धारणा बनी है लेकिन पूरी तरह से शांति बहाल नहीं हुई है। पिछले पांच साल की बात छोड़ दें और पिछले साल जून में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरी बार शपथ लेने के बाद की बात करें तो नौ जून 2024 से लेकर 22 अप्रैल 2025 तक आतंकवादियों ने जम्मू कश्मीर में 60 से ज्यादा लोगों की हत्या की है, जिसमें कम से कम 33 जवान हैं, जो अलग अलग सुरक्षा बलों से जुड़े हुए थे। 22 अप्रैल को पहलगाम में मारे गए 27 लोगों की संख्या जोड़ें तो पिछले 10 महीने में आतंकवादियों ने करीब 90 लोगों की हत्या की है। तभी धारणा बनाने की बजाय दीर्घकालीन सोच के साथ स्थायी शांति बहाली की योजना पर काम होना चाहिए। उसमें सरकार की ओर से किए गए फैसले कितने कारगर होंगे यह नहीं कहा जा सकता है। मिसाल के तौर पर भारत ने 65 साल पुरानी सिंधु जल संधि को रद्द कर दिया है। इसका मतलब है कि अब सिंधु, झेलम, चिनाब सहित इस स्ट्रीम की नदियों का पानी पाकिस्तान को नहीं मिलेगा। लेकिन वास्तविकता यह है कि भारत तत्काल यह पानी रोकने की स्थिति में नहीं है क्योंकि भारत ने कोई डैम या वाटर रिजर्वायर यानी जल संरक्षण का ढांचा नहीं बनाया है। उरी हमले के बाद 2016 में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकता है तभी अगर भारत ने सिंधु जल संधि रद्द की होती और अगले आठ साल में नदियों का पानी रोकने का ढांचा तैयार किया होता तो पाकिस्तान को अब तक सबक मिल गया होता। लेकिन बुधवार, 23 अप्रैल को हुए फैसले का सबक मिलने में समय लगेगा। इसके लिए भी भारत को तत्काल पहल करनी होगी और सिंधु घाटी की नदियों के जल संरक्षण का अपना ढांचा बनाना होगा ताकि पानी पाकिस्तान जाने से रोका जा सके।

लोकतंत्र में रचनात्मक आलोचना बहुत जरूरी

हर्ष रंजन

वर्ष 2014 में पदभार ग्रहण करने के बाद से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने समावेश, सम्मान और सभी के लिए विकास के मंत्र के साथ शासन को गति दी है। अल्पसंख्यक कल्याण के प्रति उनके प्रशासन की नीतियां इस दर्शन को केवल शब्दों में ही नहीं, बल्कि परिवर्तनकारी कार्य में भी रेखांकित करती हैं। लेकिन मोदी सरकार भारत के अल्पसंख्यक समुदायों विशेष रूप से मुसलमानों को सशक्त बनाने के लिए अथक प्रयास करती है तो कुछ निहित स्वार्थी तत्व जनता को गुमराह करने और बहुत जरूरी सुधारों में बाधा डालने का प्रयास करते हैं। हाल के वर्षों में सरकार ने समाज के सभी वर्गों के उत्थान के लिए कई ऐतिहासिक पहल और योजनाएं शुरू की हैं, जिनमें बाल विकास, महिला सशक्तिकरण, वृद्धावस्था सुरक्षा, वित्तीय समावेशन, अंतिम व्यक्ति तक परिवहन व संचार संपर्क, शिक्षा, स्वास्थ्य और आवास जैसे क्षेत्रों के लिए विशेष केंद्रित प्रयास शामिल हैं। पोषण अभियान, पीएम आवास योजना, समग्र शिक्षा अभियान, पीएम मुद्रा योजना और जल जीवन मिशन जैसे कार्यक्रम इस समावेशी मॉडल के उदाहरण हैं, जो सार्वभौमिक और न्यायसंगत व्यवस्था के माध्यम से अल्पसंख्यकों सहित उन लोगों को समग्र सहायता प्रदान करते हैं, जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है। वक्फ अधिनियम में सुधार के लिए सरकार का हालिया कदम भी उतना ही महत्त्वपूर्ण है, जो लंबे समय से लंबित था। मुस्लिम समुदाय के कल्याण के उद्देश्य के लिए बनाई गई वक्फ संपत्तियों में दशकों से जवाबदेही की कमी और अपारदर्शी प्रबंधन मौजूद है। नये संशोधन नियामक निरीक्षण, निष्पक्षता और पारदर्शिता लाकर इसे ठीक करने का प्रयास करते हैं। दुर्भाग्य से, इसने उन लोगों के सुनियोजित विरोध को जन्म दिया है, जो कभी यथास्थिति से लाभान्वित होते थे। उनकी बेचैनी समझी जा सकती है; लेकिन सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि विपक्ष किस तरह सांप्रदायिक बयानबाजी में उलझा रहता है और सरकार द्वारा जनता के हित में किए जा रहे ठोस प्रयासों को आसानी से नजरअंदाज कर देता है। सरकार की गहरी प्रतिबद्धता को समझने के लिए 2025 की आगामी हज यात्रा के लिए सरकार के व्यावहारिक दृष्टिकोण को देखना ही काफी है। प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के समर्पित प्रयासों के तहत सऊदी अरब में भारतीय तीर्थयात्रियों के लिए सम्मानजनक और निर्बाध व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। कुछ ही सप्ताह पहले रिजिजू ने भारतीय तीर्थयात्रियों के लिए सम्मानजनक व्यवस्थाओं का व्यक्तिगत रूप से निरीक्षण करने और इसे सुनिश्चित करने के लिए सऊदी अरब का दौरा किया था। यह दिखावा नहीं है। यह ऐसी सरकार का स्पष्ट प्रतिबिंब है, जो दिखावे से ज्यादा गरिमा को महत्त्व देती है। बहुत कम पिछली सरकारों ने ऐसे आध्यात्मिक महत्त्व के मामले में भारतीय मुसलमानों के लिए इस स्तर की भागीदारी और देखभाल का प्रदर्शन किया है। इतना ही नहीं, पारदर्शिता, निष्पक्षता और समान अवसर को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने हज 2023 से 500 सीटों के विवेकाधीन हज कोटे को समाप्त कर दिया है। यह कोटा, जो पहले मंत्रियों, राजनयिकों और नौकरशाहों सहित वीआईपी के लिए आरक्षित था, अक्सर पवित्र तीर्थयात्रा प्रक्रिया में विशेषाधिकार और पक्षपात की प्रतीक थी। इसे समाप्त करके, सरकार ने कड़ा संदेश दिया है- आम मुसलमानों का कल्याण और अधिकार मायने रखते हैं। यह सुधार केवल प्रशासनिक नहीं है। यह दृष्टिकोण में बदलाव है, संरक्षण की राजनीति से जनता के सशक्तिकरण की ओर कदम है। इसके अलावा, अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, भारतीय हज समिति के माध्यम से मुख्य कोटे के तहत चालू वर्ष में 122,518 तीर्थयात्रियों की व्यवस्था का प्रबंधन कर रहा है। सऊदी दिशा-निर्देशों के अनुसार सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। लोकतंत्र में रचनात्मक आलोचना बहुत जरूरी है। लेकिन राजनीतिक प्रभाव खोने के डर से सरकार के संतृप्ति-आधारित, समावेशी विकास दृष्टिकोण को तथ्यों के आधार पर पेश करने की बजाय गलत तरीके से पेश करना, उन समुदायों के लिए नुकसानदेह है, जिनका प्रतिनिधित्व करने का दावा आलोचक करते हैं। समय आ गया है कि चर्चा को राजनीतिक दिखावे से अलग करके जन कल्याण की ओर मोड़ दिया जाए। हमें भ्रामक आख्यानों को वास्तविक प्रगति पर हावी नहीं होने देना चाहिए। वक्फ सुधार कोई हमला नहीं है, बल्कि उन्नयन है। पंद्रह-सूत्री कार्यक्रम का पुनर्मूल्यांकन उपेक्षा के बारे में नहीं है, बल्कि तरीकों के सुधार से संबंधित है। सरकार की बजटीय प्राथमिकताएं, विकसित भारत तथा विकसित, समावेशी और दूरदर्शी भारत के दृष्टिकोण के प्रति स्पष्ट और निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। नया वक्फ अधिनियम किसी के राजनीतिक या व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं बनाया गया है; इसका उद्देश्य आम मुसलमानों के व्यापक हितों की सेवा करना है। फिर भी, कुछ चुनिंदा समूह गलत धारणा फैला रहे हैं कि इस अधिनियम का उद्देश्य मुस्लिम संपत्तियों को जब्त करना है। ये समूह तथ्यों और आंकड़ों से कतराते हैं। वे वक्फ संपत्ति की आय में लगातार गिरावट को संबोधित करने में विफल रहे हैं, या स्वीकार करना नहीं चाहते कि वक्फ संपत्ति का क्षेत्रफल 2013 के 17 लाख एकड़ से बढ़ कर आज 39 लाख एकड़ हो गया है। भारत का मुस्लिम समुदाय ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ा है। एक रास्ता अपारदर्शी नेतृत्व और पुरानी व्यवस्था की ओर ले जाता है।

देश में विकास और कृषि-पशुपालन ढांचा

रामलाल पाठक

किसान उन्नत नस्ल के बैल पालने के बहुत शौकीन थे। कई किसान तो हरियाणा एवं पंजाब से बैल पालने को लाते थे। अनेक स्थानों पर पशु मंडियां लगती थी देश एवं प्रदेश की खुशहाली के लिए कृषि एवं पशुपालन क्षेत्र को मजबूत करने की नितांत आवश्यकता है। इससे ग्रामीण क्षेत्र में फिर से विकास की बयार बहेगी तथा बेरोजगारी को दूर करने में कुछ हद तक मदद मिलेगी। लेकिन यह तभी संभव हो पाएगा यदि सरकार इसके लिए अनुदान देती है। नकद राशि मिलने से बेरोजगार युवा खेतीबाड़ी करने के साथ ही पशु पालने में रुचि लेंगे। अन्यथा ग्रामीण क्षेत्र में यह स्थिति हो गई है कि लोगों को सब्जियां या दूध आदि का वितरण शहरों से हो रहा है। एक समय था जब ताजा शुद्ध दूध गांव-गांव से इकठ्ठा करके शहर ले जाया जाता था। फल व सब्जियां भी गांव से ही जाती थी। शहरवासी आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के उत्पादों को गुणवत्ता से परिपूर्ण मानते हुए बड़े चाव से उनका उपयोग करते थे। लेकिन अब परिस्थितियां विपरीत हो गई हैं। गांव के लोग भी शहर से लाए उत्पादों का बड़े चाव से सेवन कर रहे हैं। उसमें यह नहीं देख रहे हैं कि उनकी रसोई तक कितना खतरनाक कैमिकल पहुंच रहा है। एक समय था जब ग्रामीण स्तर पर कृषि एवं पशुपालन व्यवसाय एक दूसरे के पूरक थे। पहले पशुओं, विशेषकर बैलों के बिना खेतीबाड़ी की कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। अब लोग इस काम में दिलचस्पी नहीं ले रहे हैं। वैसे भी गांव में अब खेतीबाड़ी करना बहुत मुश्किल हो गया है। उपजाऊ जमीन विरान पड़ गई है। जहां खाली जगह है वहां जहरीला फुलणु घास व कंटीली झाड़ियों के जंगल खड़े हो गए हैं। घासनियों में भी जहरीली घास फैल गई है। कुल मिलाकर जमीन बंजर हो गई है। अब गांव में जो इक्का-दुक्का परिवार खेतीबाड़ी कर रहे हैं, उन्हें जितना खर्च करना पड़ता है, उस हिसाब से फसल नहीं हो रही है। जंगली जानवरों एवं लावारिस पशुओं से फसल का बचाव करना मुश्किल है। खेतों में सिंचाई की सुविधा न के बराबर होने के कारण किसानों को बारिश पर ही निर्भर रहना पड़ता है। मौसम की दगाबाजी ऐसी है कि, कभी सूखा पड़ता है तो कभी जरूरत से ज्यादा बारिश हो रही है। उससे फसल खराब हो रही है तथा सारे किए कराए पर पानी फिर जाता है। खेती करने में आ रही मुश्किलों से अधिकतर ग्रामीण अब खेतों के बजाय क्यारियों में ही साग-सब्जियां उगा रहे हैं। खेतीबाड़ी के न होने

से पशुपालन का व्यवसाय भी नाममात्र का रह गया है। गांव में अब कोई विरला ही परिवार है, जिसने गाय या कोई भेड़-बकरी पाल रखी है। अन्य पशु अब लावारिस होकर सडकों पर भटक रहे हैं। पहले शहर में ही इक्का-दुक्का लावारिस पशु नजर आते थे, लेकिन अब गांव-गांव तक लावारिस पशुओं के झुंड घूमते देखे जा सकते हैं। ग्रामीणों को लग रहा है कि अब खेतीबाड़ी एवं पशुपालन बहुत ही घाटे का सौदा हो गया है। इन दोनों व्यवसायों में खर्च के मुताबिक आय नहीं हो रही है। सरकार भी इस ओर ध्यान नहीं दे रही है। हलांकि केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि दिए जाने के बाद कृषि क्षेत्र में मामूली सुधार हुआ है। लेकिन इसके लिए और अधिक धनराशि की जरूरत है। यदि सरकार बैल पालने के लिए हर महीने प्रति जोड़ी 1500, गाय या भैंस पालने के लिए 750 रुपए मासिक तथा भेड़ व बकरी पालन के लिए 250 रुपए अनुदान दे, तभी कृषि के साथ ही पशुपालन व्यवसाय फिर से पनप पाएगा। इससे एक तो बेसहारा पशुओं की समस्या का हल होगा तथा दूसरे ग्रामीण क्षेत्रों में पहले की तरह कृषि उपज भी बढ़ेगी। ग्रामीणों को अपने गांवों में अच्छा अनाज, शुद्ध दूध-दही व घी के साथ ही फल व सब्जियां उपलब्ध होंगी। ग्रामीणों को अपने घरों में ही रोजगार उपलब्ध होगा। इससे हिमाचल सरकार को दूध व प्रस्तावित गोबर खरीदने की भी जरूरत नहीं पड़ेगी। पिछले करीब चार दशकों से ग्रामीण क्षेत्र में कृषि एवं पशुपालन व्यवसाय में जबरदस्त गिरावट आई है। एक समय था जब ग्रामीणों में यह कहावत 'उत्तम खेती, मध्यम व्यापार, नखिद चाकरी करे गवार' प्रचलित थी। अर्थात पहले खेतीबाड़ी को सर्वश्रेष्ठ माना जाता था। व्यापार को दूसरे स्थान तथा नौकरी को सबसे घटिया गिना जाता था। लेकिन अब स्थितियां इसके विपरीत हैं। आज हर कोई सरकारी नौकरी पाना चाहता है। इसका सबसे बड़ा कारण यह रहा कि सरकारी क्षेत्र में कर्मचारियों के वेतन में अत्यधिक बढ़ोतरी हुई है तथा सेवानिवृत्ति के बाद पैंशन की सुविधा होने से उनका भविष्य सुरक्षित हो जाता है। दूसरी ओर उच्च शिक्षित एवं प्रशिक्षित युवाओं की संख्या में एकाएक वृद्धि हो रही है। ऐसे युवा जो सरकारी सेवा में नहीं जा सकते हैं, वे मजबूरी में कम वेतन पर निजी क्षेत्र में काम करते हैं। सरकारी एवं निजी क्षेत्र में यह सुविधा है कि हर महीने वेतन मिलता है। जबकि ग्रामीण क्षेत्र में फसल अच्छी होने के बाद यदि उसका दाम ठीक मिले तो समझा जाता है कि कम से कम फसल पर जितना खर्च हुआ था, उसकी भरपाई हो गई। किसानों को दुधारू पशु या भेड़-बकरियां आदि के बिकने पर ही नकद पैसा मिल पाता है।

संक्षिप्त समाचार

नीमच में आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ने केश लोचन किए

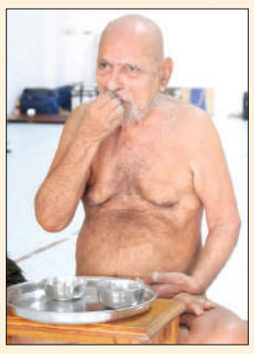

नीमच (विश्व परिवार)। आचार्य शिरोमणि श्री वर्धमान सागर जी नीमच मध्यप्रदेश में 36 साधुओं सहित विराजित है आचार्य श्रीवर्धमान सागर जी, मुनि श्री प्रभव सागर जी, मुनि श्री प्रबुद्ध सागर, आर्यिका श्री निर्मोहमति एवं क्षुल्लक श्री विशाल सागरने समस्त संघ और भक्तों की उपस्तिथि में केश लोचन किए।केश लोचन के बारे में मुनि श्री हितेंद्र सागर जी ने बताया कि प्रत्येक दिगंबर साधु को 2 माह से 4 माह की अवधि के भीतर के केशलोचन करना अनिवार्य है केशलोच दिगंबर साधु का मूल गुण है। केश लोचन के माध्यम से शरीर से राग और मोह दूर होता है केश लोचन की प्रक्रिया में मुनि श्री हितेंद्र सागर जी ने बताया कि केशलोचन करते समय केवल राख का उपयोग किया जाता है मुनि श्री ने बताया कि जैन धर्म अहिंसा प्रधान धर्म है बालों का लोचन अगर नहीं किए जाएं तो उसमें छोटे-छोटे जीवो की उत्पत्ति होने की संभावना होती है जैन साधु अहिंसा धर्म के महाव्रती होते हैं। बाल हाथों से इसलिए उखाड़े जाते हैं कि बालों को कटिंग करने के लिए सेविंग कराने के लिए अन्य द्रव्य की आवश्यकता होती है जैन साधु अपरिग्रही होते हैं। इसलिए जैन साधु अपने हाथ से केशलोचन करते हैं बाल सौंदर्य का प्रतीक हैं इससे राग और आकर्षण होता है। केश लोच से शरीर से ममत्व दूर होता है केश लोचन के समय तप, संयम, धैर्य के साथ धर्म की प्रभावना होती है जिस दिन जैन साधु केशलोच करते हैं उस दिन उपवास करते हैं।केश लोचन देखकर अनुमोदना करने से पुण्य की प्राप्ति होती है कर्मों की निर्जरा होती है। इस अवसर पर संघ के साधुओं ने धार्मिक स्त्रोत का उच्चारण किया।अनेक महिलाओ ने वैराग्य पूर्ण भजन गा कर केशलोचन की तपस्या की अनुमोदना की।

गायत्री नगर में भगवान अभिनंदननाथ जी का मोक्ष कल्याणक मनाया गया

जयपुर (विश्व परिवार)। जैन धर्म के चौथे तीर्थंकर भगवान अभिनंदन नाथ जी का मोक्ष कल्याणक वैशाख शुक्ला छठ 2 मई 2025 को प्रात: 7:30 बजे दिगंबर जैन मंदिर गायत्री नगर, महारानी फार्म जयपुर में विभिन्न कार्यक्रमों के साथ धूमधाम से मनाया गया। युवा परिषद् के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन ने अवगत कराया कि मोक्ष कल्याण के अवसर पर प्रात: प्रथम अभिषेक व शांति धारा करने का सौभाग्य आलोक- प्रमिला शाह, अरुण -ज्योति शाह, अर्चित -स्नेहा, विरल शाह परिवार को प्राप्त हुआ। शांति धारा के पश्चात मंदिर प्रबंध समिति के तत्वावधान में भक्ति भाव से सामूहिक निर्वाण लाडू शाह परिवार ने चढ़ाया। समस्त मांगलिक क्रियाएं विधानाचार्य पं. अजीत शास्त्री द्वारा कराई गई। मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष कैलाश छाबड़ा, मंत्री राजेश बोहरा, कोषाध्यक्ष राकेश छाबड़ा, सन्तोष गंगवाल, विजय सोगानी आदि पदाधिकारियों द्वारा पुण्यार्जक परिवार आलोक, अरुण शाह, विरल शाह का सम्मान किया गया। धर्म सभा का कुशल संचालन उपाध्यक्ष अरुण शाह ने किया।

स्वाति जैन ने किया जैन समाज को गौरवान्वित

यूपीएससी में चयनित स्वाति को जैन पंचायत ने किया सम्मानित

ललितपुर (विश्व परिवार)। दिगंबर जैन पंचायत समिति एक कार्यक्रम के दौरान ललितपुर जनपद को गौरवान्वित करने वाली स्वर्गीय अनिल जैन की द्वितीय बेटी एवं अविनाश बुखारिया की भतीजी कु. स्वाति जैन के PSC में चयनित होने पर सम्मानित किया। स्थानीय अभिनंदनोदय तीर्थ में दिगंबर जैन पंचायत समिति के अध्यक्ष डॉ. अक्षय टड़या ने कु. स्वाति जैन के लगन एवं परिश्रम को प्रेरणादायी बताते हुए कहा जीवन में कोई कार्य संभव नहीं है बशर्ते पूर्ण समर्पण से किया जाए।स्वाति जैन ने अपनी सफलता को परिवारजनों एवं माँ का आशीर्वाद बताया जिन्होंने प्रतिकूल परिस्थितियों में भी हमारा मनोवल बढ़ाया। उन्होंने कहा मेरी शुरू से ही भावना रही कि कुछ देश और समाज के लिए करूं।अब वह समय आया है जिसको करने में कभी पीछे नहीं रहूंगी। कार्यक्रम के दौरान जैन पंचायत पदाधिकरियो ने स्वाति जैन एव परिवार जनों को प्रतीकचिह् भेंट कर सम्मानित किया। इस मौके पर महामंत्री आकाश जैन सौरभ जैन सीए प्रबंधक मोदी पंकज जैन अशोक जैन देलवारा, सनत खजुरियाअक्षय अलया मीडिया प्रभारी, संजीव जैन ममता स्पोर्ट्स, आनन्द जैन अमित गारमेंट्स, पारस मनया, नरेंद्र जैन राजश्री, बंटी कचरोदा आदि मौजूद रहे।

भारतीय जैन मिलन का स्थापना दिवस समारोह पूर्वक मनाया

अशोकनगर (विश्व परिवार)। आज भारतीय जैन मिलन के 60 वें स्थापना दिवस पर जैन मिलन सेंट्रल द्वारा चंदा प्रभु जिनालय बगीचा मंदिर जी पर बड़े ही भक्ति भाव से अभिषेक, शांति धारा और पूजन की गई।तदुपरांत आनंद गांधी के सौजन्य से उनके निवास पर जैन मिलन सेंट्रल के वीर बन्धुओं एवं महिला जैन मिलन की सभी सदस्यायों को सुस्वादु स्वल्पाहार भी कराया गया। तत्पश्चात सभी वीर बंधुओ ने गौशाला पहुंचकर वहां गौ वंश हेतु औषधियॉ प्रदान की एवं पशु चिकित्सक महोदय से गायों के स्वास्थ्य एवं उपचार को लेकर भी चर्चा भी की गई।

नव पट्टाचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज ने देशना में बताई जल की महत्ता, कहा

'जीवन रूपी जल बूंद यमराज के प्रचंड से सूखे उससे पहले मुस्करा लो'

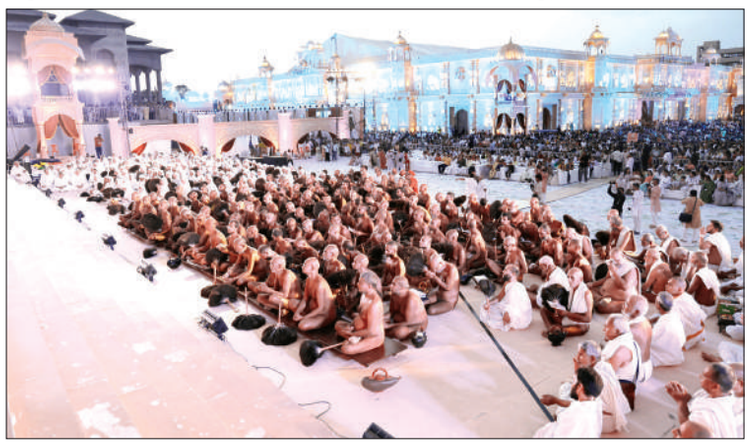

इंदौर (विश्व परिवार)। रेखा संजय जैन जी ने बताया की गांधी नगर गोधा एस्टेट के सुमतिधाम पर आयोजित पट्टाचार्य महोत्सव में मुख्य आयोजन में लाखों श्रद्धालु के पहुंचने के बाद गुरुवार को पांचवे दिन विद्वानों के बीच सफल जल बिंदु महाकाव्य संगोष्ठी का आयोजन किया गया। दो सत्रों में हुई संगोष्ठी में दक्षिण, उत्तर, पश्चिम और पूर्व से आए विद्वावानाचार्यों ने अपने-अपने वक्तव्य रखें। राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी के बाद नव पट्टाचार्य विशुद्ध सागर महाराज ने धर्मसभा को संबोधित किया। उन्होंने मंगल प्रवचन में कहा कि आचार्य विराग सागर ने जल बिंदु महाकाव्य की रचना की थी, बिंदु एक उत्कृष्ट शब्द है। पशु, पक्षी, मनुष्य सभी की उत्पत्ति बिंदु से हुई है। जल की बूंद ही नहीं जल से उत्पन्न होने वाले वीर का बोध भी बिंदु है, जो उत्कृष्ट साधना की ऊंचाई पर पहुंचाता है और सिद्ध परमात्मा बना देता है। इसलिए जल की रक्षा करो और शरीर रूपी इस बूंद की भी रक्षा करो। इससे प्राणों की रक्षा होगी और प्रण की भी रक्षा होगी और दोनों की रक्षा तुम्हें भगवान बना देगा। आचार्यश्री ने दृष्टांत के माध्यम से बताया कि एक घास पर ओंस की बूंद सूर्य की रोशनी में चमक उठती है। वहीं बूंद प्रचंड गर्मी से सूखकर खत्म हो जाती है। उसी तरह मित्रों जीवन जल की बूंद है। जब यमराज का प्रचंड तेज आएगा यह भी सूखकर खत्म हो जाएगी। जब तक बूंद पर ओस की चमक है। मुस्कुरा लो, अभी जीवन मोतियों सा चमक रहा है। इस चमकती बूंद के पानी को भगवान के चरणों में चढ़ा दो और स्वयं भगवान हो जाओ। उन्होंने एक अन्य दृष्टांत देकर बताया कि एक व्यक्ति एक पानी की बूंद छत पर डालता है तो वह भाप बनकर उड़ जाती है और वहीं बूंद जमीन पर पढ़ती है तो बीज को अंकुरित कर देती है। इसलिए कुल के वृद्धि कारक बनना, नाशक मत बनना। संगोष्ठी में पट्टाचार्य विशुद्ध सागर महाराज ने सभी विद्वानों के उद्गारों की सराहना भी की।

देशभक्ति और जिन शासन की आकृतियों से आसमान जगमग- गुरु भक्त परिवार ने बताया कि जैन महाकुंभ के महोत्सव में बुधवार देर शाम आंधी तूफान भी सुमतिधाम में पहुंचे भक्तों की आस्था को डिगा नहीं पाया। देर शाम प्रोजेक्शन मेपिंग, लेजर शो के बाद रात 9 बजे मुंबई के कलाकारों ने सम्राट खारवेल नाटिका का मंचन किया। जिसे देख धर्मावलंबी भाव-विभोर हो उठे। इसके पश्चात 2100 ड्रोन के माध्यम से एक दर्जन से ज्यादा आकृतियां आसमान में उकेरी गई। सुस्वागतम और अतिथि देवो भव की परंपरा को चरितार्थ करते हुए ड्रोन शो ने सबसे पहले अतिथियों का सत्कार किया और इसके बाद देश को सलाम करते हुए आसमान में तिरंगों से वंदे मातरम लिखा। जिसके बाद परिसर में भारत माता का जयघोष गूंजा। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की आकृतियां ड्रोन संचालकों ने हुबहू आसमान में प्रदर्शित की। जिसे देख हर कोई अपने मोबाइल के कैमरों में कैद करता नजर आया। अयोध्या की तर्ज पर बने सुमतिधाम जिनालय की आकृति भी उकेरी गई और इसके बाद भगवान सुमतिनाथ की प्रतिमा का साक्षात दर्शन हुआ। पांच किमी के दायरे में यह आकृतियां जैनत्व के दर्शन को बयां कर रही थी। णमोकार महामंत्र के पांच काव्यों को भी आसमान में प्रदर्शित किया गया। ड्रोन शो में आचार्य विद्या सागर, विराग सागर, पट्टाचार्य विशुद्ध सागर, पुष्पदंत सागर, ज्ञानमती माताजी की आकृतियां भी उकेरी गई। इससे आसमान तारों से भरा महसूस हो रहा था। परिसर में मौजूद दर्शकों के साथ-साथ कई किमी के दायरे से देख रहे दर्शक अचंभित हुए बिना नहीं रह सके।

सर्वसुविधायुक्त टेंट सिटी अतिथियों को भाई- भारतीय परंपरा अतिथि देवो भव: को चरितार्थ करते हुए सुमतिधाम में मेहमानों के लिए कई एकड़ में टेंट सिटी बनाई गई। छोटे-छोटे गुंबजनुमा टेंट में एयर कंडीशनर सहित सर्वसुविधाओं का इंतजाम किया गया। आचार्य आदित्य सागर महाराज के गृहस्थ जीवन के परिवारजन जबलपुर से बड़ी संख्या में पधारे। वहीं अन्य आचार्यों व महाराजों के गृहस्थी परिजन भी इस आयोजन के साक्षी बने और उन्हें इन सर्वसुविधायुक्त टेंट सिटी में ठहराया गया। गुरु भक्त परिवार और मनीष-सपना गोधा ने बताया कि सर्वसुविधायुक्त टेंट सिटी को सम्मेद शिखर और साकेत नगर के रूप में बसाया गया। गांधी नगर क्षेत्र में स्थित सभी जैन जिनालय, उपाश्रय, आश्रयगृहों सहित पूरे क्षेत्र के होटल, लॉज और अतिथि निवास गृह एक माह पहले ही बुक हो चुके थे।

-अभिषेक अशोक पाटील

धार्मिक क्रियाओं के साक्षी बने श्रावक-श्राविकाएं

श्री सुमतिनाथ दिगंबर जिनालय गोधा एस्टेट, पट्टाचार्य महोत्सव समिति, गुरु भक्त परिवार एवं मनीष-सपना गोधा ने बताया कि सुबह के सत्र में विधानाचार्य धर्मचन्द्र शास्त्री, चन्द्रकांत ईडी, नितिन झांझरी के निर्देशन में सुबह स्तुति, देव स्तवन, आचार्य वंदना, स्वाध्याय के बाद सुबह 6 बजे अभिषेक और शांतिधारा की विधियां हुई। 7.30 बजे से चित्र अनावरण, दीप प्रज्जवलन के साथ ही इंदौर सहित अन्य राज्यों से आए विद्वत जनों का बहुमान भी किया गया। इसके बाद 12 आचार्य, 8 उपाध्याय और 140 मुनि महाराजों और आर्यिका माताजी की आहाराचर्या संपन्न हुई। दो सत्रों में आयोजित संगोष्ठी की पट्टाचार्य, आचार्य और अन्य मुनिराजों तथा आर्यिका माताजी ने सराहना की।

वो आसमा हो जाए, मां बाप जो साथ निभाएं

सुमतिधाम में प्रतिदिन आयोजित हो रहे सांस्कृतिक आयोजनों की झड़ी में एक से एक आयोजन हो रहे हैं। 28 राज्यों सहित विदेशों से पहुंचे जैन धर्मावलंबियों को महोत्सव के आयोजनों के साथ-साथ सांस्कृतिक आयोजन अपना कायल बना रहे हैं। विभिन्न तीर्थकरों की जीवन गाथा नाटिकाओं के प्रसंग के साथ-साथ वर्तमान परिस्थितियों से रुबरु कराने वाले आयोजन भी करवाए जा रहे हैं। हाल ही में हुई स्वस्ति मेहुल की भजन संध्या में माता-पिता और बेटी के बीच के नाजुक लेकिन, मजबूत बंधन को विभिन्न काव्यों के माध्यम से वर्णित किया गया। वो आसमां हो जाए मां-बाप जो साथ निभाएं... दो कुल को रोशन कर दे जब बेटी नाम कमाए... जैसे गीतों की प्रस्तुति दे मेहुल श्रोताओं की खास बन गई। बेटियों की महिमा का गुणगाण कर उन्होंने स्वरचित गीत छन-छन करती जब नन्हीं परी गाया तो जहां नन्ही परियों का दिल जीत लिया तो वहीं कई माता-पिता की आंखे भर आई।

कल हुआ समापन- गुरु भक्त परिवार ने बताया कि शुक्रवार 2 मई को सुबह 5 बजे से नित्य पूजन, अभिषेक और शांतिधारा के साथ गणाचार्य श्री विराग सागर गुरुदेव का 62वां जन्म जयंती समारोह मनाया गया। जिसके अंतर्गत महापूजा, आरती और गुणानुवाद सभा होगी। आहाराचर्या के बाद कई विशेषांकों का विमोचन भी किया गया और रात को आचार्य विराग सागर महाराज के जीवन पर आधारित नाटिका का मंचन हुआ।

बाहर की अपवित्रता हमें नजर आती है, लेकिन असली अपवित्रता हमारे मन वाणी और व्यव्हार की अशुद्धि है : मुनि श्री प्रमाणसागर जी महाराज

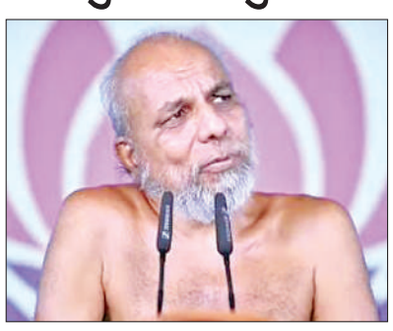

अवधपुरी (विश्व परिवार)। बाहर की अपवित्रता हमें नजर आती है, लेकिन असली अपवित्रता हमारे मन वाणी और व्यव्हार की अशुद्धि है, बाहर से हम कितने ही पूजा पाठ, वृत उपवास कर लें, यदि हमारे अंदर काम, क्रोध, लोभ, मोह की दुरप्रवत्तियां पनप रही है, तो वहां भावनाओं की सड़ांध होगी, और जंहा भावनाओं सड़ांध होगी वंहा हम स्वस्थ नही रह सकते उपरोक्त उदगार मुनि श्री प्रमाणसागर जी महाराज ने अवधपुरी में चल रही प्रवचन श्रंखला में व्यक्त किये। मुनिसंघ प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी ने बताया मुनि श्री के दिव्य बचन प्रतिदिन नकारात्मक शव्दों पर चल रहे है मुनि श्री ने अपवित्रता विषय पर दिव्य बचनों के माध्यम से कहा कि मन वाणी और व्यवहार की अपवित्रता को पहचान कर उसे दूर करने का पुरुषार्थ करना चाहिये।

मुनि श्री ने कहा कि तन की अपवित्रता तो बाहर के जल से साफ हो सकती है, लेकिन मन की अपवित्रता को दूर करने के लिये पवित्र भावनायोग करना होगा जिससे मन में विद्वेष, वासना, लोभ, ईष्या, वैमनस्य, छल, कपट को नष्ट किया जा सके मुनि श्री ने कहा कि विक्रतियां हम पर हांवी रहेंगी तब तक हम स्वस्थ जीवन जीने के आधिकारी नहीं बन सकते, उन्होंने कहा कि मन की आसक्ति और लिप्सा को मिटाने के लिये हमें नियमित भावनायोग का अभ्यास करना चाहिये। उन्होंने कहा कि भावनायोग में जैसा हम चाहते हैतथा महसूस करते है बैसा ही हमारा जीवन वन जाता है मनोविज्ञान कहता है कि आपके द्वारा देखने, सुनने और महसूस करने वाली सभी घटनाएं और संस्कार हमारे अवचेतन मन में अंकित हो जाती है, और यही अवचेतन मन हमारे चेतन मन से प्रकट होकर हमारे व्यक्तित्व में ढल जाता है, उन्होंने कहा मन को अपवित्र करने वाले संसर्ग से बचिये। समस्या के कारण का निवारण हो जाऐगा तो समस्या भी हल हो जाऐगी। मुनि श्री ने कहा कि शरीर की अशुचिता और आत्मा की पवित्रता के भेद को समझना होगा, तव तक हमारी आत्मा अपवित्र रहेगी तबतक हमारे अंदर पवित्रता नहीं आ सकती। भगवान महावीर कहते है धर्म पवित्र हृदय में ही वसता है, मन की मलिनता धर्म की तेजस्विता को मंद कर देती है, मुनि श्री ने कहा कि बाहर से भले ही सफेद पोश बने रहो यदि आपका जीवन अपवित्र है तो उनके अंदर आत्मग्लानी होगी जिसका मन अपवित्र होगा वह लोभ और लालसा से भरा होगा अपवित्र मन सदैव असंतुष्ट रहता है।जो खुद बुरा सोचता है वह दूसरों को भी बैसा मानता है वह कभी किसी को सम्मान नहीं दे पाता दूसरों की अच्छाइयों का आभार प्रकट नहीं कर पाता उससे उसके किसी के साथ सम्वंध नहीं रह पाते मुनि श्री ने कहा कि में शुद्ध आत्मा हुं में पवित्र आत्मा हुं, पवित्रता मेरा स्वभाव है पवित्रता मेरा धर्म है इन बोध बाक्यों को बार बार दौहरायेंगे तो आपके भावों को शुद्ध करने में निमित्त बनेगा विना भावना की साधना सिद्धि में नहीं बदल सकती, बार बार किसी बात को दौहराने से अंदर की दुर्वलता समाप्त हो जाती है। **-अविनाश जैन**

सीआरपीएफ ने बोरिद में किया स्वास्थ्य परीक्षण

आरंग (विश्व परिवार)। शुक्रवार को सीआरपीएफ कैंप भिलाई द्वारा शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला बोरिद में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया। जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचकर स्वास्थ्य जांच कराए। डाक्टरों ने बताया शिविर में 150 से अधिक लोगों ने स्वास्थ्य जांच कराकर उपचार कराया।इस मौके पर डीआईजी डाक्टर दुर्गा भवानी राजनाला स्वयं उपस्थित होकर लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण करते हुए लोगों को स्वास्थ्य के प्रति सचेत किया। स्वास्थ्य परीक्षण में प्रमुख रूप से डाक्टर राजेश गर्ग, डाक्टर इंदु वशिष्ठ, डाक्टर देवनारायण, डाक्टर शालिनी सौरेंग सहित मेडीकल स्टाफ व जवानों की सहभागिता रही। शिविर के आयोजन संयोजन में दिनेश गिलहरे, सरपंच ग्राम पंचायत बोरिद, उपसरपंच अमन चंद्राकर, सचिव ममता साहू, संकुल समन्वयक होरीलाल पटेल, प्रधान पाठक द्वय जितेंद्र कुमार वर्मा, छन्नूलाल ध्रुव, शिक्षक धनऊ राम रात्रे, नरोत्तम चतुर्वेदी, नीता चंद्राकर, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती रमन चंद्राकर, संतोषी साहू, कविता शिवरे, स्वीपर विजय कुमार गिलहरे भूपेंद्र ध्रुव, पीपला फाउंडेशन से महेन्द्र कुमार पटेल, राहुल पटेल सहित ग्रामीणों की अहम् भूमिका रही।

छत्तीसगढ़ बना जीएसटी संग्रह में अग्रणी राज्य, अप्रैल 2025 में 4,135 करोड़ का संग्रहण

केरल, पंजाब और बिहार जैसे राज्यों को पछाड़ा, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में किए गए सुधारों का असर

रायपुर (विश्व परिवार)। अप्रैल 2025 में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रहण में छत्तीसगढ़ ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। छत्तीसगढ़ ने 4,135 करोड़ का जीएसटी संग्रहण कर देश के शीर्ष 15 राज्यों की सूची में अपनी जगह बनाई है। जीएसटी संग्रहण के मामले में छत्तीसगढ़ ने केरल, पंजाब, बिहार और खनिज संसाधनों से भरपूर झारखंड जैसे राज्यों को भी पीछे छोड़ दिया है।

राज्य में इस आर्थिक प्रगति को लेकर विशेषज्ञों का मानना है कि यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा व्यापार और उद्योग क्षेत्र में किए गए सशक्त सुधारों का प्रतिफल है। मुख्यमंत्री

श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में बीते 15 महीनों में राज्य सरकार ने ऐसे कई निर्णय लिए हैं, जिनसे निवेश और व्यापार को बढ़ावा मिला है।

सरकार द्वारा किए गए प्रमुख सुधारों में उद्योग एवं व्यापार नियमों का सरलीकरण, गैर-जरूरी और बाधक कानूनों की समाप्ति,सभी जरूरी सेवाओं की ऑनलाइन उपलब्धता,पेट्रोल पंप खोलने के लिए लाइसेंस की बाध्यता को समाप्त करना और उद्योगों की स्थापना के लिए प्रक्रिया को सरल बनाना शामिल है।

इन सभी पहल से राज्य में उद्योग और व्यापारिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिला है, जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है और राजस्व संग्रह में निरंतर वृद्धि हो रही है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा है छत्तीसगढ़ को आत्मनिर्भर और समृद्ध राज्य बनाना हमारा लक्ष्य है। राज्य की आर्थिक स्थिति में यह वृद्धि जनता और उद्योग जगत के सहयोग से संभव हुई है।

यह प्रदर्शन छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक संकेत है और यह दिखाता है कि राज्य संसाधन आधारित अर्थव्यवस्था से आगे बढ़कर अब एक सशक्त औद्योगिक केंद्र के रूप में उभर रहा है।

दुबई में बजा भारत का डंका : वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में 67 वर्षीय कमला देवी बनीं अंतरराष्ट्रीय गोल्ड मेडलिस्ट

मनेंद्रगढ़ (विश्व परिवार)। उम्र सिर्फ एक संख्या है... यह कहावत मनेंद्रगढ़ की कमला देवी मंगतानी ने सच कर दिखाई है। 67 वर्ष की आयु में जब अधिकतर लोग अपने शरीर की सीमाओं को स्वीकार कर बैठते हैं, तब कमला देवी ने अपने अटूट संकल्प, अनुशासन और आत्मबल से न सिर्फ जीवन को चुनौती दी, बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल जगत में अपने शहर, राज्य और देश का नाम भी रोशन किया।

कमला देवी मंगतानी पिछले 30 वर्षों से डायबिटीज जैसी जटिल बीमारी से जूझ रही हैं। एक समय था, जब डॉक्टरों ने इलाज से जवाब दे दिया था और चलने-फिरने में असमर्थता के कारण उन्हें बैसाखी थमा दी गई थी, लेकिन जहां एक ओर शरीर जवाब दे रहा था, वहीं दूसरी ओर उनका मनोबल और आत्मविश्वास नई उड़ान भरने को तैयार था। उन्होंने न केवल बैसाखी को छोड़ा, बल्कि अपने पैरों पर खड़ा होकर चलना शुरू किया। एक-एक कदम आगे बढ़ाते हुए उन्होंने जीवन के प्रति एक नया नजरिया अपनाया। कुछ ही वर्षों में उन्होंने खुद को इतना सशक्त बना लिया कि स्थानीय जिम में जाना शुरू कर दिया। पिछले पांच वर्षों से वे लगातार जिम में नियमित रूप से अभ्यास कर रही हैं, जहां उनके उम्र के लोग रिटायरमेंट के बाद आराम की जिंदगी जीते हैं, वहीं कमला देवी सुबह-सवेरे उठकर जिम में पसीना बहाने जाती हैं। जिम में उन्होंने खुद को न केवल फिट किया, बल्कि वजन उठाने (वेटलिफ्टिंग) जैसी कठिन कसरत में भी महारत हासिल कर ली। उनकी मेहनत और जज्बे का परिणाम यह रहा कि उन्होंने विभिन्न स्तरों पर आयोजित वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिताओं में भाग लेना शुरू किया। राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं से शुरू होकर वे धीरे-धीरे अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहुंच गईं। अब तक वे 100 से अधिक गोल्ड मेडल जीत चुकी हैं। इन पुरस्कारों में राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय और राज्य स्तरीय प्रतियोगिताएं शामिल हैं। सबसे हालिया और गौरवपूर्ण सफलता उन्हें दुबई में आयोजित 11वें अंतरराष्ट्रीय खेल समारोह में प्राप्त हुई। संयुक्त भारतीय खेल फाउंडेशन द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का आयोजन दुबई स्पोर्ट्स काउंसिल के सानिध्य में 22 से 28 अप्रैल 2025 के बीच हुआ।

रोबोटिक्स और ऑटोमेशन के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने हेतु

एनआईटी रायपुर और जन्यु टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड ने समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

रायपुर (विश्व परिवार)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर (एनआईटी रायपुर) ने 2 मई, 2025 को जन्यु टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के साथ रोबोटिक्स और ऑटोमेशन के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) स्थापित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए, जो रोबोटिक्स, औद्योगिक स्वचालन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में नवाचार, अनुसंधान और कौशल विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक रणनीतिक साझेदारी को चिह्नित करता है।

इस समझौता ज्ञापन पर एनआईटी रायपुर के निदेशक प्रो. एन वी रमना राव और जन्यू टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री अभिमन्यु राजा द्वारा हस्ताक्षर किये गए 7 इस दौरान प्रोफेसर, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, प्रो. श्रीश वर्मा, डीन (कॉरपोरेट रिलेशन एंड रिसोर्स मोबिलाइजेशन) प्रो. एस सान्याल, हेड (करियर डेवलपमेंट सेंटर) प्रो. समीर बाजपेयी, डीन (प्लानिंग एंड डेवलपमेंट) प्रो. जी डी रामटेककर, डीन (एकेडमिक्स) प्रो. एस गुप्ता, एनआईटी रायपुर के रजिस्ट्रार प्रो. एन डी लोंढे और जन्यू टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के संचालन प्रमुख श्री राजेश पी मोदगेकर, वीपी-बिजनेस श्री सुधीर झा मौजूद रहे।

इस सेंटर को अत्याधुनिक रोबोटिक सिस्टम और एआई-संचालित अनुप्रयोगों के विकास के लिए एक सहयोगी केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा यह पहल छत्तीसगढ़ राज्य के भीतर रोबोटिक्स और ऑटोमेशन के क्षेत्र में कुशल कार्यबल बनाने का द्वार भी खोलेगी। यह साझेदारी उद्योग-एकीकृत शिक्षा और अनुप्रयुक्त अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए एनआईटी रायपुर की प्रतिबद्धता को दर्शाती है, और जन्यु टेक्नोलॉजीज को भविष्य के इंजीनियरों को कुशल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार करती है। इस सहयोग से रोजगार क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि, औद्योगिक नवाचार का समर्थन और वैश्विक रोबोटिक्स और ऑटोमेशन परिदृश्य में भारत के नेतृत्व में योगदान मिलने की उम्मीद है।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर शनिवार 03 मई 2025

संक्षिप्त समाचार

गरियाबंद में तेंदूपत्ता खरीदी ठप: ठेकेदार की मनमानी से ग्रामीणों में आक्रोश

गरियाबंद (विश्व परिवार) । 1 मई मौसम परिवर्तन का बहाना बनाकर तेंदूपत्ता ठेकेदारों ने खरीदी से किनारा कर लिया है, जिससे जिला मुख्यालय सहित आसपास के ग्रामीण इलाकों में वनोपज खरीदी पर विराम लग गया है। बीते दो दिनों से सभी खरीदी केंद्रों में तेंदूपत्ता का एक भी पत्ता नहीं खरीदा गया है। इससे ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है और रोज़गार पर संकट गहरा गया है।

जानकारी के अनुसार ठेकेदार मौसमी नमी का हवाला देकर तेंदूपत्ता लेने से मना कर रहे हैं। इस दौरान वनोपज खरीदी केंद्र के प्रबंधकों की भी भूमिका सवालों के घेरे में है, जो ठेकेदारों के आगे नतमस्तक नज़र आ रहे हैं।

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि वे दो दिनों से केंद्रों के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन उन्हें कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिल रहा। तेंदूपत्ता ही उनकी आजीविका का मुख्य साधन है और खरीदी ठप होने से उन्हें भारी नुकसान हो रहा है।

प्रशासन मौन, ग्रामीणों में आक्रोश- प्रशासनिक स्तर पर भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं दिख रही है, जिससे ग्रामीणों में यह संदेश जा रहा है कि ठेकेदारों की मनमानी पर कोई अंकुश नहीं है। यदि शीघ्र समाधान नहीं निकाला गया, तो ग्रामीण आंदोलन की चेतावनी दे रहे हैं।

समाधान की मांग- ग्रामीणों व तेंदूपत्ता संग्राहकों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि वे तत्काल ठेकेदारों की जवाबदेही तय करें और खरीदी को पुन: प्रारंभ कराएँ, ताकि वनोंपज पर निर्भर सैकड़ों परिवारों की आजीविका सुरक्षित रह सके।

चाकू दिखाकर लोगों को डराने वाला गिरफ्तार

राजनांदगांव(विश्व परिवार)। जिले की डोंगरगढ़ पुलिस ने चाकू दिखाकर लोगों को डराने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। डोंगरगढ़ पुलिस द्वारा क्षेत्र में लगातार अवैध गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों, संदिग्धों, चाकुबाजों एवं अन्य असमाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखकर लगातार कार्यवाही कर रही है इसी कड़ी में दिनांक- 01.05.2025 को डोंगरगढ़ पुलिस को सूचना मिला कि नीचे बम्लेश्वरी मंदिर के सामने नारियल प्रसाद दुकान के पास एक व्यक्ति अपने पास बटनवाला चाकू रखकर लोगों को दिखाकर डरा धमका रहा है कि सूचना पर डोंगरगढ़ पुलिस तत्काल मौके पर पंहुचकर आरोपी महेश्वर ठाकुर पिता टीकम ठाकुर उम्र- 19 साल निवासी अटल आवास कन्या शाला रोड डोंगरगढ़ जिला राजनांदगांव छ0ग0 को चाकू दिखाकर लोगों को डराते धमकाते रंगे हाथ पकड़कर आरोपी से एक नग बटनवाला चाकू जप्त कर आरोपी के विरूद्ध धारा- 25 आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही किया गया है।

सुशासन तिहार में मिली शौचालय की स्वीकृति

बीजापुर(विश्व परिवार)। सुशासन तिहार के अवसर पर आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में जांगला निवासी सन्नी लेकाम द्वारा व्यक्तिगत शौचालय की स्वीकृति हेतु आवेदन किया गया था। कलेक्टर संबित मिश्रा के निर्देश पर तत्परता दिखाते हुए संबंधित विभाग द्वारा तत्काल स्वीकृति प्रदान की गई। श्रीमती सन्नी लेकाम ने शासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह वास्तव में जनहित में तत्पर शासन की भावना को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि स्वच्छता की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे उनके परिवार को बहुत सुविधा मिलेगी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आत्मसमर्पित नक्सलियों और नक्सल हिंसा से प्रभावित 2500 परिवारों को जारी की प्रधानमंत्री आवास योजना की पहली किस्त

छत्तीसगढ़ के विशेष आग्रह पर केंद्र सरकार ने ऐसे परिवारों के लिए स्वीकृत किए हैं 15 हजार आवास

बस्तर जिले के दो हितग्राहियों से मुख्यमंत्री ने की संवाद

जगदलपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने शुक्रवार को आत्मसमर्पित नक्सलियों और नक्सल हिंसा से प्रभावित 2500 परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना की पहली किस्त जारी की । छत्तीसगढ़ के विशेष आग्रह पर केंद्र सरकार ने ऐसे परिवारों के लिए 15 हजार आवास स्वीकृत किए हैं ।कुल दस करोड़ रुपए आज हितग्राहियों के खातों में अंतरित किया गया, प्रथम किस्त के रूप में 2500 परिवारों को 40-40 हजार रुपए जारी किए गए। मुख्यमंत्री ने राशि अंतरण कार्यक्रम में मंत्रालय से वर्चुअली जुड़े 17 जिलों के हितग्राहियों से की बात, आवास निर्माण के लिए पहली किस्त मिलने पर बधाई दी ।कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध सिंह और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती निहारिका बारिक सिंह भी कार्यक्रम में मौजूद थी।

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण विशेष परियोजनान्तर्गत आत्म समर्पित नक्सलियों व नक्सल हिंसा से प्रभावित 2500 हितग्राहियों को आवास निर्माण की राशि अन्तरण हेतु कार्यक्रम में बस्तर जिले के दो हितग्राहियों से मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने संवाद कर आवास योजना के लिए बधाई दी। जिला कलेक्टर कार्यालय के एनआईसी कक्ष में आयोजित कार्यक्रम में बस्तर जिले के लोहांडीगुड़ा विकासखंड के नक्सल पीड़ित मिनकेतन ठाकुर ने मुख्यमंत्री को बताया कि अलनार बाजार में नक्सलियों द्वारा उनके बेटे की हत्या की गई थी। अभी परिवार में चार सदस्य हैं। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना के विशेष परियोजना के तहत आवास की पहली किश्त की राशि चालीस हजार मिलने की जानकारी देते हुए मिनकेतन को बधाई दी। साथ ही 2014 में आत्मसमर्पित किए हुए परदेसी को भी मुख्यमंत्री श्री साय ने बधाई दी। मुख्यमंत्री ने परदेशी से जीवनयापन के लिए क्या करते हैं का सवाल किया तो उन्होंने बताया कि खेती किसानी करते हैं। कार्यक्रम उपरांत कलेक्टर श्री हरिस एस ने योजना के लाभार्थियों को आवास बनाने के लिए खातों में अंतरित राशि का जल्द उपयोग कर बरसात से पहले निर्माण कार्य को पूर्ण करने की बात कही । इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री प्रतीक जैन सहित अन्य हितग्राही भी मौजूद थे ।

नकटी सेमरा पंचायत में निमार्ण कार्य का भाजपा प्रदेशाध्यक्ष व विधायक किरण देव ने विधिवत भूमिपूजन किया

जगदलपुर (विश्व परिवार)। जगदलपुर विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत नकटी सेमरा पंचायत में निमार्ण कार्य का भाजपा प्रदेशाध्यक्ष व विधायक किरण देव ने विधिवत भूमिपूजन किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक श्री किरण देव ने नकटी सेमरा पंचायत में 500 मीटर सी सी सडक लागत 14.06 लाख रूपए का भूमिपूजन किया। इस दौरान जनपद पंचायत अध्यक्ष पदलाम नाग, उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम कश्यप, जनपद सदस्य श्रीती शर्मा, सरपंच पद्मनी नाग, उपसरपंच गणेश नागवंशी उपस्थित थे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक श्री किरण देव ने कहा कि हमारे सरकार में हर क्षेत्र में विकास कार्य करना है। जिसके तहत लगातार चौमुखी विकास कार्य हो रहे हैं। जनता के मांग के अनुरूप विकास कार्य हो रहे हैं। नकटी सेमरा में मांझी पारा में बहुत पुरानी मांग थी सी सी सडक की जिसका आज विधिवत भूमिपूजन किया गया। श्री देव ने निर्माण कार्य गुणवत्ता व तय समय सीमा में करने का निर्देश दिया। इस दौरान मनोहर तिवारी, राजेश श्रीवास्तव, सीईओ अमित भाटिया,मंडी बोर्ड के श्री खेरानी , राधे पन्दें,तपन ,व ग्राम वासी उपस्थित थे।

जिले में 01 जनवरी 2019 के बाद समस्त शासकीय, गैर शासकीय परियोजनाओं के लिए हुए भूमि अर्जन की सूची जारी

15 दिवस के भीतर संबंधित एसडीएम कार्यालय में दावा आपत्ति आमंत्रित

गरियाबंद (विश्व परिवार) । राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले में 01 जनवरी 2019 के बाद समस्त शासकीय, गैर शासकीय परियोजनाओं के लिए हुए भू-अर्जन की सूची जिला गरियाबंद की आधिकारिक वेबसाइट www.garia-band.gov.in पर प्रकाशित की गई है। इसका अवलोकन सर्वसाधारण द्वारा किया जा सकता है। प्रकाशित सूची के संबंध में किसी भी संबंधित को आपत्ति होने पर वह संबंधित क्षेत्र के एसडीएम कार्यालय में 15 दिवस के भीतर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि भू-अर्जन की जानकारी जिले के अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) गरियाबंद, राजिम, छुरा, मैनपुर एवं देवभोग द्वारा संलग्न प्रपत्र अनुसार संकलित कर आयुक्त, रायपुर संभाग को प्रेषित की गई थी। आयुक्त, रायपुर संभाग द्वारा भूमि अर्जन की जानकारी को निर्धारित प्रपत्र में प्रकाशन कराने हेतु दिए गए निर्देशों के अनुसार जिले में अनुभागवार भूमि अर्जन की जानकारी का प्रकाशन किया गया है।

यदि किसी व्यक्ति या संस्था को इस संबंध में आपत्ति हो, तो वह लिखित में दावा आपत्ति स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से 15 दिवस के भीतर संबंधित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत अवधि के बाद प्रस्तुत आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

लोहत्तर के जंगल से अवैध लकड़ी से भरा वाहन पकड़ाया

कांकेर(विश्व परिवार)। जिले के भानुप्रतापपुर वन मंडल अंर्तगत लोहत्तर क्षेत्र के जंगल से अवैध रूप से लकड़ी काटकर ले जा रहे एक वाहन को वन विभाग के कर्मचारियों ने पकड़ा। वाहन माजदा सीजी 10 बीएम 2794 में बड़ी मात्रा में लकड़ी भरी थी। अधिकारियों ने वाहन को जब्त कर लिया है। अभी तक इस मामले में कोई कार्यवाही नहीं हुई है। लोहत्तर के डिप्टी रेंजर कार्यवाही की जानकारी नहीं दे पा रहे हैं । रेंजर मुकेश नेताम ने बताया लोहत्तर क्षेत्र से एक माजदा वाहन में अवैध रूप से पेड़ों की कटाई कर भर कर ले जाने के दौरान पकड़ा गया है । उन्होने बताया कि इसकी जांच की गई बरामद लकड़ी अवैध पाया गया है।

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने जिले में नवीन कानूनों के क्रियान्वयन हेतु अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा और सूचना प्रौद्योगिकी पर विशेष जोर

गरियाबंद (विश्व परिवार) । राज्य शासन के निर्देश पर कलेक्टर बीएस उइके एवं पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा ने संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में नवीन कानूनों के क्रियान्वयन के लिए संबंधित अधिकारियों की प्रथम समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा 1 जुलाई 2024 से नवीन आपराधिक कानून लागू किए गए हैं, जो भारतीय दण्ड संहिता, दण्ड प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम का स्थान लेंगे।

उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रशिक्षण, जनजागरूकता, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा और सूचना प्रौद्योगिकी पर विशेष बल देते हुए कहा कि क्रियान्वयन में किसी प्रकार की ढिलाई न हो। बैठक में अपर कलेक्टर प्रकाश राजपूत, नवीन भगत, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र चन्द्राकर, एसडीएम गरियाबंद ऋचा ठाकुर, एसडीएम तुलसी राम मरकाम, एसडीओपी निशा सिन्हा, एनआईसी के उपनिदेशक नेहरू निराला, जिला कार्यक्रम अधिकारी अशोक पाण्डेय सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिए गए कि नवीन आपराधिक कानूनों का पूर्णत: पालन सुनिश्चित किया जाए और प्रकरणों की सुनवाई निर्धारित प्रक्रिया के तहत शीघ्रता से हो, इसके लिए जिले के शासकीय अस्पताल, जेल, बैंक, एफएसएल तथा अन्य प्रमुख कार्यालयों में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा तत्काल स्थापित की जाए। कलेक्टर ने सभी आवश्यक व्यवस्थाएं शीघ्र सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कमिश्नर ने नगरनार स्टील प्लांट के अधिकारियों तथा बस्तर चेम्बर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारियों की ली बैठक

बस्तर के सुखद भविष्य के लिए समन्वय के साथ करेंगे उद्योगों का विकास- कमिश्नर बस्तर

जगदलपुर(विश्व परिवार)। कमिश्नर बस्तर संभाग डोमन सिंह ने कहा कि राज्य शासन की मंशानुरूप बस्तर संभाग में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए एनएमडीसी स्टील प्लांट नगरनार तथा स्थानीय उद्यमियों के मध्य बेहतर समन्वय जरूरी है, जिससे स्थानीय स्तर पर सहायक उद्योगों, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग स्थापना सहित सेवा उद्योग-व्यवसाय को प्रोत्साहन मिल सके। इन सभी समन्वित प्रयासों से उद्योगों के विकास के साथ ही रोजगार के अवसरों में बढ़ोतरी को बल मिलेगा और बस्तर एक सुखद भविष्य की ओर अग्रसर होगा। कमिश्नर बस्तर संभाग डोमन सिंह बुधवार को कमिश्नर कार्यालय के सभागार में एनएमडीसी स्टील प्लांट के अधिकारियों, जिला प्रशासन के अधिकारियों तथा बस्तर चेम्बर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारियों एवं की समन्वय बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। ज्ञात हो कि राज्य शासन द्वारा बस्तर में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए नई औद्योगिक विकास नीति 2024-30 में विशेष प्रावधान किए गए हैं। इस दिशा में अभी हाल ही में जगदलपुर में आयोजित विकसित बस्तर की ओर परिचर्चा में बस्तर संभाग के विकास में उद्योगों की अहम भूमिका को लेकर व्यापक विचार-विमर्श हुई है। जिसे मूर्त रूप देने के लिए बस्तर संभाग में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ खनिज आधारित, कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण और पर्यटन उद्योगों की असीमित संभावनाओं को साकार करने का रोडमैप तैयार किया गया है। बुधवार को आयोजित बैठक में बस्तर चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष श्याम सोमानी ने नगरनार स्टील प्लांट के रिकार्ड उत्पादन के लिए एनएमडीसी स्टील प्लांट के अधिकारियों को बधाई देते हुए स्थानीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों और नगरनार स्टील प्लांट की भागीदारी से बस्तर क्षेत्र के विकास के लिए बेहतर औद्योगिक वातावरण निर्मित करने का सुझाव दिया। बैठक के दौरान बस्तर चेम्बर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारियों द्वारा दिए गए सुझाव के अनुसार क्षेत्र में लगने वाले स्थानीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को नगरनार स्टील प्लांट के सहायक उद्योग का दर्जा देने एवं सहायक उद्योगों के साथ अनुबंध निष्पादित करने हेतु छत्तीसगढ़ राज्य निवेश प्रोत्साहन बोर्ड को प्रस्ताव भेजने पर सहमति दी गई। वहीं नगरनार स्टील प्लांट के संचालन हेतु आवश्यक छोटी-छोटी मशीनरी वस्तुओं और वाहनों, डाटा एंट्री ऑपरेटर, इलेक्ट्रिशियन, प्लम्बर आदि सेवा उद्योगों एवं व्यवसाय के लिए स्थानीय स्तर पर आपूर्ति एवं सेवा देने 25 प्रतिशत की भागीदारी सुनिश्चित करने भी प्रस्ताव छत्तीसगढ़ राज्य निवेश प्रोत्साहन बोर्ड को प्रेषित किए जाने सहमति जताई गई। साथ ही नगरनार स्टील प्लांट के मुख्य एवं सहायक उत्पाद कोलतार क्रुड, पिग आयरन, क्राइल, स्लैग, सल्फर इत्यादि पर आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए आगामी 15 दिवस के भीतर नगरनार स्टील प्लांट के अधिकारियों, जिला प्रशासन के अधिकारियों तथा बस्तर चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के पदाधिकारियों द्वारा सयुंक्त रूप से प्लांट अवलोकन करने सहित समन्वय बैठक करने का निर्णय लिया गया। जिसमें आवश्यकता के अनुरूप उत्पादों की उपलब्धता तथा अन्य मसलों पर विचार-विमर्श की जाएगी।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

खेल-व्यापार

रायपुर शनिवार 03 मई 2025

व्यापार समाचार

रैपिडो और एनआरडीए ने नया रायपुर में महिलाओं को सशक्त बनाने और ग्रीन मोबिलिटी को बढ़ावा देने के लिए हाथ मिलाया

रायपुर। भारत के अग्रणी राइड-हेलिंग प्लेटफ़ॉर्म रैपिडो ने अपने प्लेटफ़ॉर्म पर 40 महिला ई-ऑटो ड्राइवरों को शामिल करने के लिए नया रायपुर विकास प्राधिकरण (एनआरडीए) के साथ साझेदारी की है। छत्तीसगढ़ इन्फ्रेटेक प्रमोशन सोसाइटी द्वारा समर्थित इस पहल का उद्देश्य लैंगिक समानता और स्थाई शहरी परिवहन को बढ़ावा देना है। इस पहल के हिस्से के रूप में, रैपिडो ने एक व्यापक ऑनबोर्डिंग सत्र आयोजित किया, जिसमें रैपिडो ऐप पर प्रशिक्षण, ऑपरेशनल रेडिनेस और सुचारू सेवा रोलआउट सुनिश्चित करने के लिए लाइव टेस्ट राइड शामिल हैं। यह पहल गतिशीलता में सुरक्षा, समावेशिता और पहुँच को प्राथमिकता देने के लिए रैपिडो और एनआरडीए द्वारा प्रमुख प्रतिबद्धताओं को दर्शाती है। इनमें शामिल हैं:

एसओएस सुरक्षा सुविधाएँ: कैप्टन और यात्रियों दोनों के लिए अंतर्निहित इमरजेंसी रिस्पांस सिस्टम।

जीरो एंट्री फी: महिला कैप्टन से प्रवेश शुल्क नहीं लिया जाएगा, जिससे प्रवेश में बाधाएँ कम होंगी और व्यापक भागीदारी को बढ़ावा मिलेगा। इस पहल पर टिप्पणी करते हुए श्रीमती रश्मि ठाकुर, प्रबंधक परिवहन, एनआरएएनवीपी ने इसकी परिवर्तनकारी क्षमता पर प्रकाश डालते हुए कहा, रैपिडो के साथ यह सहयोग समावेशिता को बढ़ावा देने और स्थिर मोबिलिटी को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण कदम है। तकनीक-संचालित समाधानों को एकीकृत करके और महिलाओं के लिए अवसरों को सक्षम कर, हम नया रायपुर में एक हरित, सुरक्षित और अधिक न्यायसंगत परिवहन पारिस्थितिकी तंत्र की ओर बढ़ रहे हैं। रैपिडो के सह-संस्थापक पवन गुंटुपल्ली ने कहा, यह साझेदारी समावेशी और पर्यावरण के प्रति जागरूक गतिशीलता समाधान बनाने के हमारे साझा दृष्टिकोण को दर्शाती है। महिलाओं को ई-ऑटो कैप्टन के रूप में सशक्त बनाकर, हम हरित परिवहन को बढ़ावा देते हुए आर्थिक अवसर पैदा करने में मदद कर रहे हैं। हम एनआरडीए को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देते हैं और मोबिलिटी को अधिक सुलभ, सुरक्षित और ऑपरेशनल बनाने के लिए निरंतर सहयोग की आशा करते हैं। यह सहयोग सुरक्षित, हरित और अधिक समावेशी मोबिलिटी इकोसिस्टम में योगदान करते हुए आजीविका को सक्षम करने के रैपिडो के व्यापक मिशन के अनुरूप है।

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने अप्रैल 2025 में बेचे 4,80,896 यूनिट्स

गुरुग्राम: होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (HMSI) ने आज अप्रैल 2025 के लिए अपने बिक्री आँकड़े जारी किए। अप्रैल महीने में कंपनी की कुल बिक्री 4,80,896 यूनिट्स रही, जिसमें 4,22,931 यूनिट्स की घरेलू बिक्री और 57,965 यूनिट्स का निर्यात शामिल है।

अप्रैल 2025 की HMSI की प्रमुख उपलब्धियाँ: उत्पाद: HMSI ने अपने लोकप्रिय Dio 125 स्कूटर के OBD2B मानकों के अनुकूल नए संस्करण को उन्नत फीचर्स के साथ लॉन्च किया। साथ ही, कंपनी ने अपने प्रीमियम मोटरसाइकिल पोर्टफोलियो को और मजबूत किया है, जिसमें 2025 CB350, CB350 H'ness और CB350RS को नए रंगों के साथ बाजार में उतारा गया है। वैश्विक मानकों के अनुरूप HMSI ने CB300R मोटरसाइकिल के 2018 से 2020 के बीच बने कुछ यूनिट्स के लिए स्वैच्छिक रिकॉल की घोषणा भी की। सड़क सुरक्षा: भारत में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए HMSI ने देशभर के 12 स्थानों - नवसारी (गुजरात), योल कैंट (हिमाचल प्रदेश), राजापलायम (तमिलनाडु), रांची (झारखंड), बेंगडुबी (पश्चिम बंगाल), ग्वालियर (मध्य प्रदेश), पुणे (महाराष्ट्र), वाराणसी (उत्तर प्रदेश), अनंतपुर (आंध्र प्रदेश), तिरुवल्लूर (तमिलनाडु), जयपुर (राजस्थान) और नई दिल्ली ङ्क में विभिन्न अभियान चलाए। इसके अतिरिक्त, HMSI ने हैदराबाद में अपने ट्रैफिक्र ट्रेनिंग पार्क की 10वीं वर्षगांठ मनाई, जो जिम्मेदार सड़क व्यवहार को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

अप्रैल में शेयर बाजार ने दिया 3 प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न

मुंबई,(एजेंसी)। वैश्विक अस्थिरता के बीच भारतीय शेयर बाजार का अप्रैल में प्रदर्शन शानदार रहा। इस दौरान सेंसेक्स ने 3.65 प्रतिशत और निफ्टी ने 3.46 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। बीते महीने बैंकिंग इंडेक्स ने शेयर बाजार में तेजी का नेतृत्व किया और निफ्टी बैंक ने 6.83 प्रतिशत का रिटर्न दिया। इसके साथ ऑटो, पीएसयू बैंक, फाइनेंशियल सर्विस, एफएमसीजी और रियल्टी इंडेक्स ने 4 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया है। अप्रैल में लार्जकैप की अपेक्षा मिडकैप का प्रदर्शन अच्छा रहा। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 4.75 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई है। हालांकि, निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स ने 2.19 प्रतिशत का रिटर्न दिया। बीते महीने निफ्टी में इंडसइंड बैंक (29 प्रतिशत), टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स (16.4 प्रतिशत), इटरनल (जोमैटो) (15.3 प्रतिशत), एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस (14.1 प्रतिशत) और टाइटन (10.3 प्रतिशत) की तेजी के साथ सबसे ज्यादा बढ़ाने वाले शेयर थे। वहीं, टाटा स्टील (9.2 प्रतिशत), हिंडाल्को (8.5 प्रतिशत), विप्रो (7.9 प्रतिशत), श्रीराम फाइनेंस (6.8 प्रतिशत) और इन्फोसिस (4.5 प्रतिशत) सबसे ज्यादा गिरने वाले शेयर थे। वैश्विक स्तर पर अस्थिरता और भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने के कारण भारतीय शेयर बाजार बुधवार को सपाट बंद हुआ था। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 46 अंक या 0.06 प्रतिशत की गिरावट के साथ 80,242 और निफ्टी 1.75 अंक की मामूली कमजोरी के साथ 24,334 पर था। अप्रैल लगातार दूसरा महीना है जब विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) का इक्विटी के कैश सेगमेंट में निवेश सकारात्मक रहा है।

पंजाब ने चेन्नई को हराकर प्लेऑफ से किया बाहर, चहल ने ली हैट्रिक

अय्यर-प्रभसिमरन ने लगाए अर्धशतक

चेन्नई(एजेंसी)। पंजाब किंग्स ने आईपीएल 2025 के 49वें मैच में चेन्नई सुपर किंग्स को 4 विकेट से हरा दिया है. इस जीत के साथ पंजाब किंग्स की टीम प्वाइंट्स टेबल में 10 मैचों में 6 जीत 3 हार और एक बेनतीजा मैच के साथ 13 अंक लेकर दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं और प्लेऑफ में जगह बनाने के करीब पहुंच गई है. वहीं चेन्नई सुपर किंग्स की टीम 10 मैचों में 8 हार के साथ 4 प्वाइंट्स लेकर 10वें स्थान पर हैं. इस हार के साथ ही सीएसके की टीम आधिकारिक तौर पर प्लेऑफ की रेस से बाहर हो चुकी है. इस मुकाबले में पंजाब किंग्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया. चेन्नई सुपर किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.2 ओवर में 10 विकेट खोकर 190 रन बनाए. पंजाब ने जीत के लिए मिलते 191 रनों के लक्ष्य को 19.4 ओवर में 6 विकेट खोकर हासिल कर लिया और मैच को 4 विकेट से अपने नाम कर लिया. इस मैच में शानदार प्रदर्शन के लिए पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला. पंजाब के लिए प्रभसिमरन और प्रियांश आर्य ने पारी की शुरुआत की. प्रियांश 23 रन बनाकर आउट हुए. प्रभसिमरन ने 36 बॉल में 5 चौके और 3 छक्कों के साथ 54 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली. उनके अलावा कप्तान श्रेयस अय्यर ने भी हाफ सेंचुरी लगाई. अय्यर ने 41 बॉल में 5 चौके 4 छक्कों की मदद से 74 रनों की नाबाद पारी खेली और टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई. चेन्नई के लिए खलील अहमद और मथीशा पथिराना ने 2-2 विकेट लिए जबकि नूर अहमद, रविंद्र जडेजा ने 1-1 विकेट हासिल किया. इससे पहले चेन्नई सुपर किंग्स ने 190 रन बनाए. सीएसके के लिए सैम करन ने सबसे ज्यादा रन बनाए. करन ने 47 बॉल में 9 चौके और 4 छक्कों के साथ 88 रनों की पारी खेली. उनके अलावा डेवाल्ड ब्रेविस ने 26 बॉल में 2 चौके और 1 छक्के के साथ 32 रनों का योगदान दिया. पंजाब किंग्स के लिए चहल के अलावा मार्को जानसेन और अर्शदीप सिंह ने 2-2 विकेट हासिल किए. युजवेंद्र चहल ने चेपॉक में हैट्रिक हासिल की है. ये उनके आईपीएल करियर की दूसरी हैट्रिक है. चहल ने दीपक हुड्डा 2, अंशुल कम्बोज 0 और नूर अहमद 0 को आउट कर हैट्रिक हासिल की है. इस ओवर में उन्होंने धोनी को 11 रनों के निजी स्कोर पर आउट किया. उन्होंने पारी के 19वें ओवर में हैट्रिक समेत 4 विकेट हासिल किए. पंजाब किंग्स के लिए सबसे ज्यादा विकेट युजवेंद्र चहल ने लिए, उन्होंने 3 ओवर में 32 रन देकर 4 विकेट चटकाए.

महिला टी-20 विश्व कप 2026: 12 जून से इंग्लैंड में आगाज, लॉर्ड्स में होगा फाइनल

नई दिल्ली(एजेंसी)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल द्वारा आयोजित महिला टी-20 विश्व कप 2026 का आयोजन इंग्लैंड में 12 जून से 5 जुलाई तक किया जाएगा। इस टूर्नामेंट का फाइनल ऐतिहासिक लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड, लंदन में 5 जुलाई को खेला जाएगा। यह महिला टी-20 विश्व कप का दसवां संस्करण होगा, जिसमें पहली बार 12 टीमें हिस्सा लेंगी। टीमें 2 समूहों में विभाजित होंगी, प्रत्येक समूह में 6 टीमें होंगी। प्रत्येक टीम अपने समूह की अन्य सभी टीमों के साथ मुकाबला करेगी। इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम मेजबान होने के कारण पहले ही टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई कर चुका है। इसके अलावा, 2024 महिला टी-20 विश्व कप की शीर्ष 5 टीमें भी सीधे क्वालीफाई कर चुकी हैं। एक अतिरिक्त टीम आईसीसी महिला टी-20 टीम रैंकिंग के आधार पर चुनी जाएगी।

चेन्नई को हराने के बाद पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर पर लगा बड़ा जुर्माना

चेन्नई(एजेंसी)। पंजाब किंग्स ने 30 अप्रैल को खेले गए मैच में चेन्नई सुपर किंग्स को 4 विकेट से हरा दिया. इस हार के साथ जहां सीएसके प्लेऑफ की रेस से बाहर होने वाली पहली टीम बन गई है वहीं पंजाब अंक तालिका में 13 प्वाइंट्स के साथ दूसरे नंबर पर पहुंच गई है और प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने के करीब खड़ी है. मैच के बाद पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर पर बड़ा जुर्माना लगाया गया है, क्योंकि उनकी टीम को धीमी ओवर गति का दोषी पाया गया. चूंकि यह पंजाब का पहला अपराध था, इसलिए अय्यर पर आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस के 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया. आईपीएल ने एक बयान में लिखा, %पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर पर जुर्माना लगाया गया है, क्योंकि उनकी टीम ने बुधवार को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के मैच 49 के दौरान धीमी ओवर-रेट बनाए रखी. चूंकि यह आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के

तहत उनकी टीम का सीजन का पहला अपराध था, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है, इसलिए अय्यर पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया. धीमी ओवर गति की ही वजह से पंजाब को 19वें ओवर की शुरुआत से पहले सर्कल के अंदर एक अतिरिक्त क्षेत्ररक्षक लाने के लिए भी मजबूर होना पड़ा.

जनवरी-अप्रैल में मुंबई में ऑल टाइम हाई 52,896 नए प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन हुए दर्ज

मुंबई(एजेंसी),। भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक अर्थव्यवस्था की धीमी गति के बावजूद, मुंबई ने इस साल जनवरी-अप्रैल में 52,896 नए प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन के साथ अब तक का उच्चतम स्तर दर्ज किया है। यह 2024 में इन्हीं चार महीनों के दौरान रजिस्टर्ड 48,819 प्रॉपर्टी की तुलना में 8 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। रियल एस्टेट कंसल्टेंसी एनारॉक द्वारा गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। महाराष्ट्र के इंस्पेक्टर जनरल ऑफ रजिस्ट्रेशन (आईजीआर) के आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि 2025 के पहले चार महीनों में मुंबई में प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन से एकत्रित कुल राजस्व लगभग 4,633 करोड़ रुपए है। यह पिछले साल की इसी अवधि (जनवरी-अप्रैल 2024) की तुलना में 21 प्रतिशत अधिक है, जब एकत्रित राजस्व 3,836 करोड़ रुपए था। एनारॉक के चेयरमैन अनुज पुरी ने कहा, जनवरी से अप्रैल तक प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन डेटा और डिमांड के रुझान के आगे के विश्लेषण से पता चलता है कि बेचे गए घरों का एवरेज टिकट प्राइस 1.57 करोड़ रुपए था, जो 2023 और 2024 की याद दिलाती है, जब यह 1.56 करोड़ रुपए था। उन्होंने आगे कहा, 2021 में इसी अवधि में, औसत टिकट की कीमत काफी कम 1.02 करोड़ रुपए थी। इस प्रकार, जनवरी-अप्रैल 2021 और जनवरी-अप्रैल 2025 के बीच इसमें 54 प्रतिशत का उछाल दर्ज किया गया। संक्षेप में, 2025 में अधिक किफायती कैटेगरी की तुलना में महंगे घरों की अधिक बिक्री दर्ज की गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि महाराष्ट्र राज्य राजस्व विभाग के अनुसार, प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन से अधिकारियों द्वारा एकत्र किया गया कुल राजस्व और जनवरी से अप्रैल 2025 में मुंबई में कुल रजिस्ट्रेशन रिकॉर्ड ऊंचाई पर हैं। गहन विश्लेषण से पता चलता है कि अप्रैल 2025 में पिछले सात वर्षों (2019 से) में इस महीने में सबसे अधिक प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन दर्ज किए गए, जिसमें 13,080 से अधिक प्रॉपर्टी रजिस्टर हुईं। अप्रैल 2025 में एकत्रित राजस्व लगभग 1,115 करोड़ रुपए था। इसकी तुलना में, अप्रैल 2024 में लगभग 11,648 प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन हुए, जो इस वर्ष की तुलना में लगभग 12 प्रतिशत कम है। पिछले साल राजस्व संग्रह भी लगभग 5 प्रतिशत कम था। पुरी ने कहा, इस अवधि में प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन में उछाल के पीछे एक प्रमुख कारक मार्च में रिकॉर्ड-ब्रेकिंग एक्टिविटी है, जब 15,501 प्रॉपर्टी रजिस्टर की गईं। मार्च 2025 में पिछले तीन वर्षों में सबसे अधिक प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन हुए। इससे पहले, दिसंबर 2020 में 19,581 रजिस्ट्रेशन और मार्च 2021 में 17,728 रजिस्ट्रेशन के साथ उच्चतम आंकड़े दर्ज किए गए थे।

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने अप्रैल 2025 में बेचे 4,80,896 यूनिट्स

गुरुग्राम: होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (HMSI) ने आज अप्रैल 2025 के लिए अपने बिक्री आँकड़े जारी किए। अप्रैल महीने में कंपनी की कुल बिक्री 4,80,896 यूनिट्स रही, जिसमें 4,22,931 यूनिट्स की घरेलू बिक्री और 57,965 यूनिट्स का निर्यात शामिल है।

अप्रैल 2025 की HMSI की प्रमुख उपलब्धियाँ: उत्पाद: HMSI ने अपने लोकप्रिय Dio 125 स्कूटर के OBD2B मानकों के अनुकूल नए संस्करण को उन्नत फीचर्स के साथ लॉन्च किया। साथ ही, कंपनी ने अपने प्रीमियम मोटरसाइकिल पोर्टफोलियो को और मजबूत किया है, जिसमें 2025 CB350, CB350 H'ness और CB350RS को नए रंगों के साथ बाजार में उतारा गया है। वैश्विक मानकों के अनुरूप HMSI ने CB300R मोटरसाइकिल के 2018 से 2020 के बीच बने कुछ यूनिट्स के लिए स्वैच्छिक रिकॉल की घोषणा भी की। सड़क सुरक्षा: भारत में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए HMSI ने देशभर के 12 स्थानों - नवसारी (गुजरात), योल कैंट (हिमाचल प्रदेश), राजापलायम (तमिलनाडु), रांची (झारखंड), बेंगडुबी (पश्चिम बंगाल), ग्वालियर (मध्य प्रदेश), पुणे (महाराष्ट्र), वाराणसी (उत्तर प्रदेश), अनंतपुर (आंध्र प्रदेश), तिरुवल्लूर (तमिलनाडु), जयपुर (राजस्थान) और नई दिल्ली ङ्क में विभिन्न अभियान चलाए।

जनरेशन जीके नवाचार को मिला मंच: सैमसंग इंडिया ने लॉन्च किया 'सॉल्व फॉर टूमॉरो 2025', 1 करोड़ रुपए तक का अनुदान

गुरुग्राम: भारत के अग्रणी कंज़्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने अपनी प्रमुख कॉर्पोरेट सामाजिक ज़िम्मेदारी (सीएसआर) पहल 'सॉल्व फॉर टूमॉरो' के चौथे संस्करण की शुरुआत कर दी है। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य देशभर के युवाओं को प्रौद्योगिकी के ज़रिए सामाजिक चुनौतियों का हल खोजने के लिए प्रेरित करना है। 14 से 22 वर्ष के छात्रों के लिए खुली इस प्रतियोगिता में भाग लेने की अंतिम तिथि 30 जून 2025 रखी गई है। चुनी गई टॉप चार टीमों को उनके नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए आईआईटी दिल्ली में इंक्यूबेशन सपोर्ट के साथ कुल एक करोड़ रुपये का अनुदान दिया जाएगा। इसके अलावा, टॉप 40 टीमों को 8 लाख और टॉप 20 टीमों को 20 लाख रुपये की पुरस्कार राशि दी जाएगी। प्रतिभागियों को 82,000 घंटे का विशेष प्रशिक्षण और मेंटरशिप भी दी जाएगी। इस साल के प्रतिभागियों को चार महत्वपूर्ण थीमों पर समाधान बनाने के लिये प्रोत्साहित किया जा रहा है: अधिक सुरक्षित, स्मार्ट एवं समावेशी भारत के लिये एआई; भारत में स्वास्थ्य, आरोग्य तथा तंदुरुस्ती का भविष्य; शिक्षा और बेहतर भविष्य के लिये खेलों तथा तकनीकी के माध्यम से सामाजिक बदलाव; और टेक्नोलॉजी के जरिये पर्यावरण की स्थिरता। सैमसंग साउथवेस्ट एशिया के प्रेसिडेंट और सीईओ जेबी पार्क ने कहा, 'सॉल्व फॉर टूमॉरो' के ज़रिए हम भारत के हर कोने के युवा इनोवेटर्स को बड़े सपने देखने, असल ज़िंदगी की चुनौतियों से निपटने और तकनीक के ज़रिए एक स्मार्ट और समावेशी भविष्य गढ़ने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। इस साल की प्रतियोगिता और भी बड़ी और व्यापक होगी। हम ज़्यादा शहरों में पहुंच रहे हैं, ज़्यादा स्कूलों और कॉलेजों के छात्रों को जोड़ रहे हैं और उन्हें डिज़ाइन थिंकिंग के सिद्धांतों पर आधारित नवाचार का अवसर दे रहे हैं। यह पहल भारत सरकार की अग्रणी #DigitalIndia योजना के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जो युवाओं को भविष्य का निर्माणकर्ता बनने के लिए सशक्त करती है। आईआईटी दिल्ली के निदेशक प्रो. रंगन बेनर्जी ने कहा, आईआईटी दिल्ली को युवाओं के बीच नवाचार, उद्यमिता और व्यावहारिक समस्याओं के समाधान की क्षमता को बढ़ावा देने में गर्व महसूस होता है। सैमसंग 'सॉल्व फॉर टूमॉरो' के साथ हमारी साझेदारी के ज़रिए हम युवा प्रतिभाओं को मेंटरशिप, शोध के लिए अत्याधुनिक संसाधन और तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं।

जिनकुशल इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने आईपीओ के लिए सेबी के पास दाखिल किया डीआरएचपी

नईदिल्ली। निर्माण मशीनों के निर्यात व्यापार में सबसे बड़ी कंपनी जिनकुशल इंडस्ट्रीज लिमिटेड (जेकेआईपीएल), जिसकी उपस्थिति संयुक्त अरब अमीरात और अमेरिका (अपनी सहायक कंपनियों के माध्यम से) में भी है, ने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के लिए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। प्रस्तावित सार्वजनिक पेशकश में 10 रुपये अंकित मूल्य के 96.5 लाख इक्विटी शेयरों की पेशकश शामिल है; जिसमे 86.5 लाख इक्विटी शेयरों का फ्रेश इशू और 10 लाख इक्विटी शेयरों का ऑफर फॉर सेल है। जेकेआईपीएल (JKIPL) ने फ्रेश इश्यू से प्राप्त आय का उपयोग कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य के लिए करने का प्रस्ताव रखा है।

केयरएज रिपोर्ट के अनुसार, जेकेआईपीएल 6.9 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ सबसे बड़ी गैर-ओईएम निर्माण मशीन निर्यातक है। जेकेआईपीएल, जिसे श्री अनिल कुमार जैन, श्री अभिनव जैन, संध्या जैन, तिथि जैन और यशस्वी जैन द्वारा प्रवर्तित किया गया है, वैश्विक बाजारों में नई/अनुकूलित और प्रयुक्त/नवीनीकृत निर्माण मशीनों के निर्यात व्यापार करती है। जेकेआईपीएल हाइड्रोलिक उत्खनन, मोटर ग्रेडर, बैकहो लोडर, सॉइल कॉम्पैक्टर, व्हील लोडर, बुलडोजर, क्रेन और डामर पेवर्स जैसी निर्माण मशीनों के निर्यात व्यापार में माहिर है। जेकेआईपीएल को भारत सरकार के विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) द्वारा थ्री-स्टार एक्सपोर्ट हाउस के रूप में मान्यता प्राप्त है। इस डीआरएचपी की तिथि तक, जेकेआईपीएल ने यूएई, मैक्सिको, नीदरलैंड, बेल्जियम, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और यूके सहित तीस (30) से अधिक देशों को निर्माण मशीनों का निर्यात किया है। जेकेआईपीएल मुख्य रूप से तीन प्राथमिक व्यावसायिक क्षेत्रों में परिचालन करती है।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, शनिवार 03 मई 2025

सुशासन तिहार में प्राप्त आवेदनों का किया जा रहा निराकरण

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रदेश सरकार द्वारा आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुँचाने हेतु सुशासन तिहार का आयोजन किया जा रहा है। इसके दूसरे चरण में प्राप्त आवेदनों का विभिन्न विभागों द्वारा निरंतर निराकरण किया जा रहा है। सभी विभागों के साथ-साथ श्रम विभाग को छत्तीसगढ़ असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल अंतर्गत श्रमिक कार्ड के लिए कई आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिसका श्रम विभाग द्वारा आवेदकों से संपर्क कर आवश्यक दस्तावेजों की जांच व परीक्षण उपरांत पात्र हितग्राहियों का तत्काल श्रमिक कार्ड बनाया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

एनएचएम कर्मचारियों का एक दिवसीय प्रदर्शन, प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे धरना स्थल

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर स्थित टूटा धरना स्थल में एनएचएम कर्मचारियों के द्वारा एक दिवसीय धरना प्रदर्शन दिया गया आपको बताते चलें की अपनी विभिन्न मांगों को लेकर एनएचएम के कर्मचारियों ने धरना प्रदर्शन दिया। पदाधिकारी ने बताया कि लगातार वह अपनी नियति कारण की मांग को लेकर लगातार संघर्ष करते आ रहे हैं और सरकार से वार्तालाप करते आ रहे हैं लेकिन विगत काफी समय से उनके मांगों पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है प्रदेश के विभिन्न जिलों से एनएचएम कर्मचारियों धरना स्थल पहुंचे और सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की आगे कर्मचारियों ने कहा कि विगत दो माह से उनका वेतन का भी भुगतान नहीं हुआ है जिस कारण से उनकी आर्थिक स्थिति भी कमजोर हो गई है साथी पदाधिकारी ने बताया कि स्वास्थ्य सचिव से मिलकर उन्हें सकारात्मक जवाब मिला है और कहा गया है कि उनकी मांगों पर जल्द विचार कर पूर्ण किया जाएगा।

शुभारंभ फाउंडेशन द्वारा महिला मजदूर का सम्मान

रायपुर (विश्व परिवार)। 1 मई मजदूर दिवस पर शुभारंभ फाउंडेशन द्वारा महामाया मंदिर के सामने जो महिला स्वयं मजदूर बनकर काम कर रहीं है। उन महिलाओं को भेंट देकर उनका सम्मान किया गया जिसमें सीमा कटकर ने गमछे दिए, अरूणा यादव ने चरण पदुका दी संस्था की सह सचिव शीला प्रजापति ने मिठाई बंटी व सभी बहनों को मीठा दही पिलाकर श्रम दिवस मनाया। श्रमिकों को मान सम्मान पाकर खुशी हुई।

आत्मसमर्पित नक्सलियों और नक्सल हिंसा से पीड़ितों को प्रधानमंत्री आवास योजना की पहली किस्त जारी

छत्तीसगढ़ के विशेष आग्रह पर केंद्र सरकार ने ऐसे परिवारों के लिए स्वीकृत किए हैं 15 हजार आवास, कुल दस करोड़ रुपए हितग्राहियों के खातों में अंतरित

प्रथम किस्त के रूप में 2500 परिवारों को जारी किए गए 40-40 हजार रुपए

मुख्यमंत्री साय ने विभिन्न जिलों से वर्चुअली जुड़े हितग्राहियों से बात भी की, आवास निर्माण के लिए पहली किस्त मिलने पर दी बधाई

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज आत्मसमर्पित नक्सलियों और नक्सल हिंसा से प्रभावित 2500 परिवारों के बैंक खातों में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की पहली किस्त की राशि अंतरित की। उन्होंने मंत्रालय में वर्चुअली आयोजित कार्यक्रम में आवास निर्माण की पहली किस्त प्रति परिवार 40-40 हजार रुपए के मान से कुल दस करोड़ रुपए हितग्राहियों के खातों में अंतरित किए। छत्तीसगढ़ के विशेष आग्रह पर केंद्र सरकार द्वारा राज्य के आत्मसमर्पित नक्सलियों और नक्सल हिंसा से प्रभावित परिवारों के लिए 15 हजार आवास स्वीकृत किए गए हैं। उप मुख्यमंत्री तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री विजय शर्मा भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने विभिन्न जिलों से मंत्रालय से वर्चुअली बड़ी संख्या में जुड़े हितग्राहियों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य शासन ने केंद्र सरकार से विशेष आग्रह कर आत्मसमर्पित नक्सलियों और नक्सल हिंसा से प्रभावित परिवारों के लिए जो प्रधानमंत्री आवास योजना की पात्रता की शर्तों में नहीं आ पा रहे थे, उनके लिए 15 हजार आवास स्वीकृत कराया है। उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह और केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने संवेदनशीलता और गंभीरता से हमारे निवेदन को मंजूरी दी और वंचित परिवारों के लिए भी आवास की व्यवस्था की। श्री साय ने नक्सल प्रभावित दूरस्थ वनांचलों के लिए स्वीकृत इस विशेष परियोजना के हितग्राहियों की हौसला अफजाई करते हुए अच्छा मकान बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि इसमें सरकार हर तरह की मदद करेगी। मुख्यमंत्री ने नक्सली हिंसा के शिकार परिवारों से आत्मीयता से बातकर उनका हाल-चाल पूछा। उन्होंने घर-परिवार और उनके व्यवसाय की जानकारी ली। बातचीत के दौरान विभिन्न जिला मुख्यालयों से जुड़े हितग्राहियों ने पक्का आवास मिलने पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को धन्यवाद दिया।

उप मुख्यमंत्री तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री विजय शर्मा ने भी हितग्राहियों को ऑनलाइन संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक है। आज 2500 ऐसे परिवारों को जो नक्सलवाद छोड़कर मुख्य धारा में लौट आए हैं या नक्सल हिंसा से पीड़ित हैं, उनके पक्के आवासों के निर्माण के लिए 40-40 हजार रुपए की पहली किस्त जारी की गई है। ये ऐसे परिवार हैं जो प्रधानमंत्री आवास योजना की पात्रता में नहीं आ पा रहे थे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में विभाग ने विशेष प्रयास कर भारत सरकार से ये आवास मंजूर कराए हैं। श्री शर्मा ने कहा कि राज्य में नक्सलवाद को समाप्त करने का अभियान अब अंतिम चरण में है। बस्तर के लोगों के मन से अब आतंक का डर हट जाना चाहिए। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे मुख्य धारा में आएं। बस्तर की शांति और विकास के लिए यह जरूरी है। उन्होंने विशेष परियोजना के तहत हितग्राहियों के चिन्हांकन और इसे अमलीजामा पहनाने के लिए विभागीय अधिकारियों की पीठ थपथपाई और उन्हें धन्यवाद दिया। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती निहारिका बारिक सिंह ने कार्यक्रम में राज्य में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के क्रियान्वयन की जानकारी दी।

चेंबर भवन में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं व्यापारिक संघों का परिचय सम्मेलन सम्पन्न

विकसित भारत-विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में छत्तीसगढ़ चेम्बर की हो महत्वपूर्ण भूमिका, इस दिशा में करेंगे कार्य : सतीश थौरानी

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा आज दिनांक 2 मई 2025 को दोपहर 12 बजे से नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का परिचय सम्मेलन का आयोजन हुआ जिसमें नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का स्वागत किया गया तत्पश्चात् उपस्थित पदाधिकारियों ने अपना परिचय दिया।

चेम्बर प्रदेश महामंत्री श्री अजय भसीन ने समस्त पदाधिकारियों का बड़े ही गर्मजोशी से पुष्पवर्षा के साथ स्वागत किया। श्री भसीन ने चेंबर प्रदेश अध्यक्ष श्री सतीश थौरानी एवं प्रदेश कोषाध्यक्ष श्री निकेश बरड़िया का परिचय देते हुए नवीन जिला उपाध्यक्षों एवं जिला मंत्रियों का परिचय कराया एवं विकसित व्यापार का आधार-चेम्बर परिवार के नारे दिये। चेंबर प्रदेश अध्यक्ष श्री सतीश थौरानी ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि मेरे कार्यकाल में कोई भी पदाधिकारी छोटा या बड़ा नहीं है। व्यापारिक हित में हब सब मिलजुलकर कार्य करेंगे। जो भी चेम्बर का लक्ष्य होगा उसे हम सब मिलकर पूरा करेंगे। शाम 4 बजे से नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के साथ चेम्बर से संबद्ध व्यापारिक संगठनों का परिचय सम्मेलन संपन्न हुआ। चेम्बर पदाधिकारियों ने व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों का स्वागत किया। चेंबर प्रदेश अध्यक्ष श्री सतीश थौरानी ने कहा कि यह परिचय सम्मेलन व्यापारिक संगठनों को आपस में जोड़ने और उनके बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया गया था। सम्मेलन में व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

भारतीय जैन संघटना, छत्तीसगढ़ की प्रदेश कार्य समिति की बैठक रायपुर में सम्पन्न

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जैन संघटना, छत्तीसगढ़ की प्रदेश कार्य समिति की बैठक का आयोजन राजधानी रायपुर में रखा गया जिसका संचालन संस्था के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री संजय सिंघि जी ने किये, इस महत्वपूर्ण बैठक में विशेष रूप से संस्था के पूर्व राज्य अध्यक्ष श्री लोकेश कावड़िया जी, श्री संपत झाबक जी, श्री निर्मल बारड़िया जी, श्री प्रमोद लूनावत जी एवं श्री मनोज लुकड़ जी ने अपना मार्ग दर्शन वर्तमान की कार्य समिति को दिया।

इस बैठक का आयोजन भारतीय जैन संघटना, छत्तीसगढ़ के वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष श्री विजय गंगवाल जी एवं प्रदेश महासचिव सिए विकास गोलछा ने किया, साथ ही संस्था द्वारा विगत 4 महीने के प्रदेश के विभिन्न जिलों में हुए समाजसेवी आयोजनों की रिपोर्ट सदस्यों के सामने प्रस्तुत की एवं आने वाले समय के लक्ष्य एवं रूप रेखा निर्धारित की। संस्था के प्रदेश लीडरशिप ने त्रिमासिक लक्ष्य निर्धारित किये जिसने निम्नलिखित आयोजन प्रमुखता से शामिल हैं- बिज़नेस डेवलपमेंट प्रोग्राम (अलग अलग चैप्टर में 5 तथा रायपुर में एक बड़े रूप में बिज़नेस कॉनक्लेव), इमपावरमेंट ऑफ़ कपल प्रोग्राम (4 प्रोग्राम), स्मार्ट गर्ल प्रोग्राम (5 प्रोग्राम), बिज़नेस टू बिज़नेस एक्सचेंज प्रोग्राम (5 प्रोग्राम), फाउंडेशन प्रोग्राम सभी चैप्टर्स को करना रहेगा, परिचय सम्मलेन प्रोग्राम दिसम्बर में पहला रायपुर में तथा दुर्ग में 2026 में दूसरा आयोजित होगा। खिलौना बैंक प्रोग्राम 4 चैप्टर्स में, विद्या दान प्रोग्राम 4 चैप्टर्स में, वेल्थ मैनेजमेंट प्रोग्राम 8 चैप्टर्स में, अंग दान प्रोग्राम 2 चैप्टर्स में। सभी प्रोग्राम के स्टेट हेड ने सहर्ष जवाबदारी लेकर आगामी तीन महीनों में तय लक्ष को पूरा करने की मंशा जताई है।

एम्स रायपुर में पहली बार जटिल एओर्टिक रोग का सफलतापूर्वक इलाज 'टीईवीएआर' नामक न्यूनतम इनवेसिव प्रक्रिया से किया गया

रायपुर (विश्व परिवार)। एम्स रायपुर ने चिकित्सा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए पहली बार एक जटिल एओर्टिक रोग (Comple& Aortic Pathology) का इलाज टीईवीएआर (Thoracic Endovascular Aortic Repair) नामक न्यूनतम इनवेसिव प्रक्रिया द्वारा सफलतापूर्वक किया है, जो संस्थान की चिकित्सा क्षमताओं में एक नई उपलब्धि दर्शाता है।

24 वर्षीय महिला मरीज को एओर्टिक डिसेक्शन (Aortic Dissection) का निदान हुआ था- यह एक गंभीर स्थिति होती है जिसमें महाधमनी (थोरासिक एओर्टा) की आंतरिक दीवार में चीरा आ जाता है, जिससे रक्त वाहिका की दीवारों की परतों के बीच विभाजन हो जाता है। सामान्यत: ऐसे मामलों में ओपन चेस्ट सर्जरी (थोरेकोटॉमी) की आवश्यकता होती है। हालांकि, इस मामले में इलाज जांघ की धमनी के माध्यम से कम इनवेसिव प्रक्रिया द्वारा किया गया, जिससे बड़े ऑपरेशन की आवश्यकता नहीं पड़ी।

हालांकि, मरीज की इलियाक धमनी (Iliac Artery) की चौड़ाई सामान्य से कम होने के कारण पारंपरिक मार्ग से पहुंचना संभव नहीं था। इसलिए टीम ने निचले पेट में एक छोटा सा ऑपरेशन कर एक वैकल्पिक मार्ग (Iliac Conduit) बनाया। इस मार्ग के माध्यम से, डीएसए (Digital Subtraction Angiography) की निगरानी में स्टेंट ग्राफ्ट को पेट की एओर्टा और फिर थोरासिक एओर्टा में डाला गया। स्टेंट ग्राफ्ट को सही स्थान पर खोल दिया गया जिससे रक्त के गलत मार्ग को बंद कर सही रक्त प्रवाह बहाल हो गया।

यह जटिल और जोखिम भरी प्रक्रिया 18 सदस्यों की एक बहुविषयक टीम के समन्वय से पूरी की गई। इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी टीम का नेतृत्वडॉ. एन.के. बोधेने किया, जबकि कार्डिएक सर्जरी टीम का नेतृत्वडॉ. नितिन कश्यपऔरडॉ. प्रणयने किया। एनेस्थीसिया टीम का नेतृत्वडॉ. सुब्रत सिंहाने किया।

समर्थन देने वाले डॉक्टरों मेंडॉ. क्रोहित यादव, डॉ. अमीन अंसारी, औरडॉ. संदीपशामिल थे। नर्सिंग देखभालश्रीमती दिव्या एस. नायरऔरश्री जेम्स विक्टरद्वारा प्रदान की गई। डॉ. बोधेने अपने विभाग के सहयोगियों-डॉ. सरोज, डॉ. मनीष, डॉ. ऋचा, औरडॉ. निहार-के साथ-साथडॉ. विनय राठौर (नेफ्रोलॉजी), डॉ. सत्यजीत सिंह (कार्डियोलॉजी), औरडॉ. चिन्मय पांडा (क्रिटिकल केयर) के प्रति आभार व्यक्त किया। लेफ्टिनेंट जनरल (से.नि.) अशोक जिंदल, कार्यकारी निदेशक एवं सीईओ, एम्स रायपुर ने इस अद्भुत उपलब्धि के लिए सभी सहयोगी विभागों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सफल टीईवीएआर प्रक्रिया एम्स रायपुर की जीवन रक्षक सेवाओं की बढ़ती क्षमताओं में एक और गौरवपूर्ण अध्याय जोड़ती है। उन्होंने इस बात पर भी गर्व व्यक्त किया कि एम्स रायपुर में रोगी देखभाल के लिए अंतरविषयी टीम के रूप में कार्य किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ औषधि पादप बोर्ड के नवनियुक्त अध्यक्ष विकास मरकाम आज करेंगे शपथ ग्रहण

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय कल 3 मई को रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड के नवनियुक्त अध्यक्ष श्री विकास मरकाम के शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इस अवसर पर वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। इस गरिमामय कार्यक्रम में अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह शामिल होंगे। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री अरूण साव, विजय शर्मा सहित मंत्री रामविचार नेताम, ओपी चौधरी, श्याम बिहारी जायसवाल, टंकराम वर्मा, लक्ष्मी राजवाड़े, रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक किरण सिंह देव, राजेश मूणत, सुनील सोनी, मोतीलाल साहू, पुरन्दर मिश्रा सहित आदि शामिल होंगे।

सेलम रेल मंडल : स्टेशन में रेल यार्ड रिमाडलिंग का कार्य, कुछ गाड़ियों को विलंब एवं परिवर्तित मार्ग से चलाया जाएगा

यह गाड़ियाँ परिवर्तित मार्ग पोत्तनूर जंक्शन, इरुगूर जंक्शन एवं कोयम्बत्तूर जंक्शन से होकर चलेगी

रायपुर (विश्व परिवार)। रेलवे प्रशासन द्वारा अधोसंरचना विकास हेतु दक्षिण रेलवे के सेलम रेल मंडल के अंतर्गत स्टेशन में यार्ड रिमाडलिंग कार्य किया जाएगा। जिसके फलस्वरूप दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से संबंधित गाड़ियों को विलंब एवं परिवर्तित मार्ग से चलाया जाएगा। जिसकी जानकारी इस प्रकार है-

परिवर्तित मार्ग से चलने वाली गाडियाँ- दिनांक 05 मई, 2025 को तिरुनेलवेली जंक्शन से चलने वाली गाड़ी संख्या 22620 तिरुनेलवेली-बिलासपुर एक्सप्रेस व्हाया पोत्तनूर जंक्शन, इरुगूर जंक्शन एवं कोयम्बत्तूर जंक्शन होते हुए चलेगी। 07 मई, 2025 को एर्नाकुलम जंक्शन से चलने वाली गाड़ी संख्या 22816 एर्नाकुलम-बिलासपुर एक्सप्रेस व्हाया पोत्तनूर जंक्शन, इरुगूर जंक्शन एवं कोयम्बत्तूर जंक्शन होते हुए चलेगी। 11 मई, 2025 को तिरुनेलवेली जंक्शन से चलने वाली गाड़ी संख्या 22620 तिरुनेलवेली-बिलासपुर एक्सप्रेस व्हाया पोत्तनूर जंक्शन, इरुगूर जंक्शन एवं कोयम्बत्तूर जंक्शन होते हुए चलेगी। 14 मई, 2025 को एर्नाकुलम जंक्शन से चलने वाली गाड़ी संख्या 22816 एर्नाकुलम-बिलासपुर एक्सप्रेस व्हाया पोत्तनूर जंक्शन, इरुगूर जंक्शन एवं कोयम्बत्तूर जंक्शन होते हुए चलेगी।

विलंब से रवाना होने वाली गाडियाँ- दिनांक-19 मई, 2025 को तिरुवनंतपुरम सेंट्रल से चलने वाली गाड़ी संख्या 22648 तिरुवनंतपुरम-कोरबा एक्सप्रेस विलंब से रवाना होगी। 24 मई, 2025 को कोरबा से चलने वाली गाड़ी संख्या 22647 कोरबा-तिरुवनंतपुरम एक्सप्रेस विलंब से रवाना होगी।

रेल प्रशासन यात्रियों को होने वाली असुविधा के लिए खेद व्यक्त करता है तथा सहयोग की आशा करता है। यात्रियों से अनुरोध है कि असुविधा से बचने के लिए रेलवे द्वारा अधिकृत रेलवे पूछताछ सेवा NTES/139 से गाड़ी की सही स्थिति की जानकारी प्राप्त करके तदनुसार यात्रा प्रारम्भ करें। उक्त विशेष ट्रेनों के विस्तृत समय और ठहराव की विस्तृत जानकारी हेतु कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएं या NTES ऐप डाउनलोड करें।

सिकंदराबाद रेल मंडल के महबूबाबाद स्टेशन में नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के लिए ब्लॉक लिया जायेगा, फलस्वरूप कोरबा-तिरुवनंतपुरम एक्सप्रेस रद्द रहेगी

रायपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व रेलवे के सिकंदराबाद रेल मंडल से महबूबाबाद स्टेशन से जोड़ने के लिए काजीपेट जंक्शन एवं खेरली सेक्शन के मध्य तीसरी रेलवे लाइन पैच ट्रिपलिंग कार्य के लिए ब्लॉक लिया जाएगा। यह कार्य दिनांक 23, से 29 मई, 2025 तक लिया जायेगा। जिसके फलस्वरूप दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से संबन्धित निम्न गाड़ी का परिचालन प्रभावित रहेगा। रद्द होने वाली गाड़ी- 28 मई, 2025 कोरबा से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 22647 कोरबा-तिरुवनंतपुरम (कोचिवली) एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 26 मई, 2025 तिरुवनंतपुरम (कोचिवली) से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 22648 तिरुवनंत पुरम (कोचिवली)-कोरबा एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

आंधी-तूफान में 1000 से अधिक बिजली खम्भे तथा 1217 लाइनें क्षतिग्रस्त, आबादी क्षेत्रों में आपूर्ति सामान्य

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा निरंतर की जा रही निगरानी

व्यक्तिगत शिकायतों का निराकरण युद्धस्तर पर जारी, जंगलों तथा खेतों में सुधार दूसरे चरण में

रायपुर (विश्व परिवार)। 1 मई की शाम अनायास तेज आंधी-तूफान के कारण रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव तथा जगदलपुर क्षेत्र में पेड़ गिरने तथा तेज हवा के कारण 1000 से अधिक बिजली के खम्भे टूटे। 1217 लाइनें क्षतिग्रस्त हुई जिससे ज्यादातर फीडरों से विद्युत आपूर्ति बंद हो गई। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा तेजी से सुधार तथा आपूर्ति सामान्य करने के निर्देश दिये गये तथा किये जाने वाले कार्यों पर लगातार नजर रखी गई। ऊर्जा सचिव की निगरानी में मैदानी विद्युत अमले ने दिन-रात एक करके विद्युत प्रदाय सामान्य बनाने का कार्य युद्धस्तर पर किया। प्रबंध निदेशक, वितरण कंपनी श्री भीमसिंह कंवर ने बताया कि आज की स्थिति में आंधी-तूफान प्रभावित ज्यादातर आबादी क्षेत्रों में आपूर्ति सामान्य हो गई हैं। आज भी रात भर कार्य किया जायेगा। वहीं खेतों तथा वन क्षेत्रों में दूसरे चरण में शीघ्र ही सुधार कार्य कर स्थिति को सामान्य बनाया जायेगा।

वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार विभिन्न जिलों में 01 मई 2025 को आये तेज आंधी-तूफान के कारण विद्युत लाइनों पर पेड़, फ्लेक्स, शेड, होर्डिंग्स तथा अन्य स्ट्रक्चरर्स गिरने के कारण 33 के.व्ही. एवं 11 के.व्ही. विद्युत नेटवर्क ट्रिप हुआ व आपूर्ति बाधित हुई। प्रभावित क्षेत्रों में अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा सर्वप्रथम ग्राउंड पेट्रोलिंग करते हुए लाईनों पर गिरे हुए पेड़, फ्लेक्स, शेड, होर्डिंग्स को हटाने की त्वरित कार्यवाही की गई। अनेक स्थानों पर स्थानीय निकायों तथा जिला प्रशासन की मदद भी लाइन पर गिरी चीजें हटाने में ली गई।

रायपुर ग्रामीण क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री संदीप वर्मा ने बताया कि रायपुर ग्रामीण बलौदाबाजार-भाटापारा, धमतरी, महासमुंद एवं गरियाबंद जिला में बड़े पैमाने पर पेड़ आदि के गिरने के कारण लाईनों के तार, क्रॉसआर्म, इन्सुलेटर तथा कई पोल क्षतिग्रस्त होकर टूट गए। 33 के.व्ही. लाइन में 03 नग पोल टूटने के कारण, 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र हथबंध की सप्लाई पूर्ण रूप से बाधित हो गई थी, जिसे 24 घंटो के अंदर पोल खड़े कर चालू कर दिया गया। इसी प्रकार 11 केवी तथा निम्नदाब लाइनों के 807 खम्भे भी क्षतिग्रस्त हुये हैं। 11 के.व्ही. के 27 नग फीडर की सप्लाई बाधित हुई है। 350 आबादी बस्तियों में विद्युत आपूर्ति प्रभावित हुई थी जिसमें से मात्र 45 बस्तियों में कार्य शेष हैं। शेष सभी में आपूर्ति नियमित कर दी गई हैं।

संचारण-संधारण निकाय के अतिरिक्त लाईनों के संधारण एवं मॉनिटरिंग कार्य हेतु सतर्कता, एस.टी.एम., परियोजना संकाय के अधिकारी-कर्मचारी एवं ठेकेदारों की टीम गठित कर त्वरित सुधार कार्य में सम्पूर्ण विद्युत अमला लगा दिया गया है, जिसके परिणामस्वरूप शहरी क्षेत्रो में रात्रि में ही विद्युत सप्लाई बहाल कर दी गई है तथा ग्रामीण क्षेत्रो के बस्तियों में पेयजल आपूर्ति को देखते हुए प्राथमिकता के तौर पर टूटे पोल बदले जा रहे है, जिसे चालू करने का कार्य युद्धस्तर पर किया गया, इसके साथ ही कृषि कनेक्शनों की लाइनों का भी संधारण अतिशीघ्र पूर्ण कर सप्लाई पूर्ण रूप से सामान्य करने हेतु सार्थक प्रयास जारी हैं।

रायपुर शहर क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री एम.जामुलकर ने बताया कि रायपुर शहर अंतर्गत 33 तथा 11 केवी के 36 खम्भे टूटे थे। 126 लाइनें बाधित हुई थी। वहीं निम्न दाब की 430 लाइनें भी बाधित हुई थी। 93 उपकेन्द्रों विद्युत आपूर्ति बंद हो गई थी। रातभर तथा आज दिनभर सुधार का काम चला। हांलाकि रायपुर शहर में 1 मई की शाम 7 बजे से ही विद्युत आपूर्ति आंशिक रूप से प्रारंभ कर दी गई थी लेकिन जैसे-जैसे सुधार होता गया, आधी रात तक 33 केवी के सभी कार्य पूर्ण कर लिये गये। सुबह तक 11 केवी के 49 फीडर भी शुरू कर दिये गये। टीएमसी के 276 तथा एफओसी के 1344 प्रकरणों पर कार्य जारी हैं जो 2 मई की रात तक पूरा हो गया।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354